जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 18 जनवरी, 2026

आज बुकिंग, कल हैंडओवर

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

कोठी
₹4700/ Sq Ft से शुरु

वॉक-अप अपार्टमेंट
₹4000/ Sq Ft से शुरु

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दुःखकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शन्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अतः भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगद्तंत्र, रसायन तथा वाजीकरण हैं। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों की चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्वस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साइंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समठाता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धांतों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तथापि, कुछ सिद्धांत और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमे से कुछ प्रमुख हैं:– 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्रस, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंसर्जनक्रम, 10. आदान-विसर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12-धारणीय-अधारणीय वेग, 13. सद्वृत्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषायतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्ध्वंश आदि प्रमुख हैं। वस्तुतः इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता काविवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्त्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रन्थों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नल्स को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्ज़बॉर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा है।वर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, समठा-पद्धित या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्नीनिकल ट्रॉयल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन मधु श्लेष्मपित्तप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलतः आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये।

इसी प्रकार आमलकंवयः स्थापनानाम्(च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है। अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयसः स्थापने धात्री (अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों में इन-वाइट्रो और इन-वाइवो अध्ययनों के अलावा कुछ क्लीनिकल ट्रायल्स भी हैं जो निर्विवाद रूप से आँवला में रसायन गुणों को प्रमाणित करते हैं।

इसी प्रकार रक्तशालि या लाल चावल पर 4,849 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध पत्रिकाओं में 2022 तक प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों ने लाल चावल को कैंसररोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीजीनोटॉक्सिक, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्रायः कुर्सी में बैठे-बैठे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खानपान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोषशामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंक्रमण ना तो बलार्ध से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गार्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूत्र जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम औरसत्वावजय प्रमुख हैं। कैलोरी व कदम गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्ध-व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रमगण नातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषयः। समाचरेत्काल भोजनंबलस्यार्धव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छांटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलाकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्वृत्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लगाव, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्वृत्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडूष, अभ्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साइंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीड़ित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करे। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियान्वयन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्वृत्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

बजट 2026: विश्वास और विकास की नई इबारत

सीए अंशुल चित्तौड़ा

केंद्र सरकार का बजट आगामी माह में पेश किया जाने वाला है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, आगामी केंद्रीय बजट 2026 से देश के करदाताओं और उद्योगों को भारी उम्मीदें हैं। कराधान एवं कॉर्पोरेट मामलों के विशेषज्ञ सीए अंशुल चित्तौड़ा अनुसार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के समक्ष राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखते हुए विकास की गति को तेज करने की दोहरी चुनौती है। यह बजट केवल वित्तीय आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि नए आयकर अधिनियम 2025 के माध्यम से एक पारदर्शी और सुगम कर प्रणाली की नींव रखने का अवसर है।

1. आयकर अधिनियम 2025 का सुगम क्रियान्वयन: – सीए अंशुल चित्तौड़ा के अनुसार, नए आयकर कानून के लागू होने के साथ ही करदाताओं के लिए सबसे बड़ी जरूरत निश्चितता की है। पुरानी टैक्स व्यवस्था अब जटिलताओं और विवादों का कारण बन रही है। ऐसे में सरकार द्वारा पुरानी व्यवस्था के लिए एक सनसेट डेट (अंतिम तिथि) घोषित करना और नई व्यवस्था को अधिक आकर्षक बनाना एक तार्किक कदम होगा। इससे न केवल मुकदमों में कमी आएगी, बल्कि कर प्रशासन में भी सुगमता होगी।

2. पार्टनरशिप फर्म और एलएलपीएस के लिए कर समानता : –वर्तमान टैक्स ढांचे में एक बड़ी विसंगति यह है कि जहाँ घरेलू कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत से 22 प्रतिशत की रियायती दरें मौजूद हैं, वहीं पार्टनरशिप फर्म और एलएलपी आज भी 30 प्रतिशत की फ्लैट दर से कर दे रहे हैं। यह असमानता छोटे और मध्यम स्तर के उद्यिमयों (एमएसएमइएस) पर भारी वित्तीय बोझ डालती है। बजट 2026 में इन संस्थाओं के लिए भी रियायती कर व्यवस्था की घोषणा होनी चाहिए, ताकि उन्हें कॉर्पोरेट संस्थाओं के समकक्ष लाया जा सके।

3. मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमइ को प्रोत्साहन : –मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए नई मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को मिलने वाली 15 प्रतिशत की रियायती कॉर्पोरेट टैक्स दर की समय सीमा को बढ़ाकर मार्च 2027 करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, एमएसएमइ को भुगतान से संबंधित प्रावधानों (धारा 43) में उद्योग-वार व्यावहारिक लचीलापन देने की आवश्यकता है, ताकि व्यापारिक चक्र और गुणवत्ता संबंधी विवादों का समाधान सुचारू रूप से हो सके।

4. अनुसंधान (आरएनडी) और एआइ पर विशेष ध्यान: –भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए विशेष टैक्स क्रेडिट या वेटेड डिडक्शन की वापसी होनी चाहिए। नवाचार पर निवेश करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहन देने से न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि भारत संरक्षणवाद के दौर में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

5. टीडीएस/टीसीएस और सीमा शुल्क में सुधार:- वर्तमान में टीडीएस/टीसीएस की जटिल दरें व्यापार की कार्यशील पूंजी को बाधित करती हैं। इसे सरल बनाकर केवल 3 या 4 व्यापक श्रेणियों में सीमित करना चाहिए। साथ ही, सीमा शुल्क में जीएसटी की तर्ज पर सुधार और लंबित विवादों के लिए एक एमनेस्टी योजना व्यापारिक दक्षता को बढ़ाएगी। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और घरेलू सामान वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

निष्कर्ष: –बजट 2026 का मूल मंत्र "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" और 'विश्वास' होना चाहिए। सीए अंशुल चित्तौड़ा का मानना है कि यदि सरकार इन संरचनात्मक सुधारों को अपनाती है, तो यह न केवल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाएगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगा।

–सीए अंशुल चित्तौड़ा

'कृष्णा लिम्ब' और बीकानेर के सपूत डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना

डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया

हेमन्त चंडीदान उज्जवल

समाज में कभी-कभी ऐसे व्यक्तित्व जन्म लेते हैं, जिनके लिए विज्ञान केवल ज्ञान नहीं, बल्कि करुणा का माध्यम बन जाता है। ऐसे ही एक नाम हैं डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया। उनके जीवन और कार्यों का सबसे उज्ज्वल प्रतीक है – 'कृष्णा लिम्ब'।

'कृष्णा लिम्ब' कोई साधारण कृत्रिम अंग नहीं, बल्कि उस संवेदना का प्रतिरूप है, जिसने विकलांग पशुओं को फिर से चलना सिखाया। यह भारत में पशुओं पर किया गया पहला सफल प्रोस्थेटिक प्रयोग माना जाता है। जिन गायों और पालतू पशुओं के लिए जीवन ठहर-सा गया था, उन्हें 'कृष्णा लिम्ब' ने नई गति दी, नई आशा दी।

जो चल नहीं सकते थे,
उन्हें फिर राह मिल गई।

डॉ. तपेश माथुर का जन्म 16 जनवरी 1971 को बीकानेर में हुआ। उन्होंने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से बी.वी.एस.सी. एवं ए.एच. की उपाधि प्राप्त की। बीते 27 वर्षों से अधिक समय से वे ठाामीण एवं शहरी पशु चिकित्सालयों में सेवाएँ देते हुए पशु कल्याण को अपने जीवन का उद्देश्य बनाए हुए हैं। वर्तमान में वे राजस्थान सरकार के पशुपालन निदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

परंतु उनका वास्तविक परिचय पदों से नहीं, बल्कि कृष्णा लिम्ब जैसी करुणा-प्रेरित खोजों से बनता है।

डॉ. माथुर ने जब पहली बार एक विकलांग गाय को असहाय अवस्था में देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि चिकित्सा केवल दवाओं तक सीमित नहीं हो सकती। वहीं से 'कृष्णा लिम्ब' का विचार जन्मा-एक ऐसा कृत्रिम अंग जो ग्रामीण परिस्थितियों में भी उपयोगी हो, सस्ता हो, टिकाऊ हो और पशु के शरीर के अनुकूल हो। यह प्रयोग न केवल तकनीकी रूप से सफल रहा, बल्कि मानवीय दृष्टि से क्रांतिकारी सिद्ध हुआ।

यह नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर सफल होने के बाद वैज्ञानिक और शैक्षिणक मंचों पर भी सराहा गया। 'कृष्णा लिम्ब' आज इस बात का उदाहरण है कि यदि विज्ञान को करुणा की दिशा मिले, तो वह केवल शोध नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बन जाता है।

जहाँ शब्द मौन हो जाते हैं,
वहीं करुणा उपचार बन जाती है।

डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने यूँमिनोटोमी शल्य क्रियाओं में विशेष दक्षता प्राप्त कर गंभीर रूप से बीमार गायों के पेट से प्लास्टिक और अन्य बाहरी पदार्थ निकालने में उल्लेखनीय योगदान दिया। मात्र दो वर्षों में 350 से अधिक सफल ऑपरेशनों के माध्यम से उन्होंने न केवल सैकड़ों पशुओं की जान बचाई, बल्कि उनसे जुड़े अनेक पशुपालक परिवारों की आजीविका को भी सुरक्षित किया।

उनका मानना है कि पशु चिकित्सा केवल इलाज नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने का कार्य भी है।

डॉ. माथुर ने राजस्थान राज्य गौ सेवा आयोग में सचिव के रूप में रहते हुए अनेक नवाचारी योजनाओं की शुरुआत की, जिससे आयोग को राष्ट्रीय पहचान और आत्मनिर्भरता मिली। वे राजस्थान सरकार की निःशुल्क पशु औषधि योजना के भी प्रमुख सूत्रधार रहे, जिससे लाखों पशुपालकों को सीधा लाभ पहुँचा।

पशुओं के साथ-साथ पक्षियों के प्रति भी उनकी संवेदना उतनी ही गहरी है। वे 'सेव बर्ड्स' अभियान के प्रमुख संरक्षक हैं, जो घायल पक्षियों के उपचार, परिंडे लगाने और जन-जागरूकता के माध्यम से सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करता है।

जो बोल नहीं सकते,
उनके लिए बोलना ही सच्ची सेवा है।

डॉ. तपेश माथुर के कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। उन्हें भारतीय पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा सोसायटी का स्वर्ण पदक (2014), एम.आर. पटेल पुरस्कार (2015), वर्ल्ड वेटरनरी एसोसिएशन का कांस्य पदक (2018-19) तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (2020) सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

वर्ष 2024 में राजस्थान राज्य स्तरीय पुरस्कार उन्हें माननीय मुख्यमंत्री के करकमलों से प्रदान किया गया। वर्ष 2025 में टाइम्स नाउ अमेज़िंग इंडियन अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके नवाचारी और मानवीय कार्यों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। वे (भारत सरकार) के प्रथम पशु चिकित्सक सदस्य भी रहे हैं।

करुणा जो पद से बड़ी है

डॉ. तपेश माथुर का जीवन यह सिद्ध करता है कि जब विज्ञान को संवेदना का मार्गदर्शन मिले, तब वह केवल तकनीक नहीं रहता-वह जीवन बन जाता है। 'कृष्णा लिम्ब' इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है।

पद बदलते हैं,
पर करुणा नहीं।

–हेमन्त चंडीदान उज्जवल,
वरिष्ठ लेखक

राशिफल रविवार 18 जनवरी, 2026

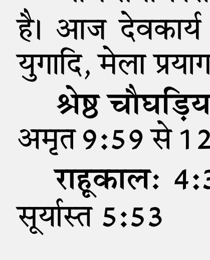

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 10:14 तक, हर्षण योग रात्रि 9:11 तक, चतुष्पद करण दिन 12:43 तक, चन्द्रमा सायं 4:41 से मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:14 से सूर्योदय तक है। आज देवकार्य अमावस्या, मौनी अमावस्या, द्वापर युगादि, मेला प्रयागराज और हरिद्वार है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:40 से 9:59 तक, लाभ-अमृत 9:59 से 12:57 तक, शुभ 1:36 से 3:15 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:53

मेष
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मनोरंजन होगा।

धनु
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 167 प्रभात जयपुर, रविवार 18 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

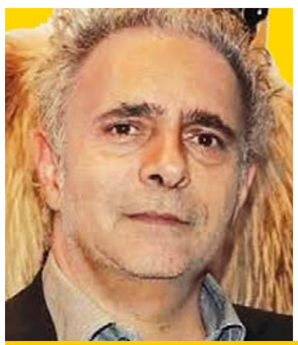

A Man With An Active Mind

His father accused him of stripping him of dignity. His sister wrote publicly in The Guardian, suggesting that Hanif was pursuing fame at the expense of family loyalty

Being Irrelevant, Lost And Unfound

Important And Regularly Lying!!!

मुम्बई में ''रिज़ॉर्ट'' राजनीति की वापसी

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट किया

- भाजपा के 88 पार्षद जीते हैं, पर, बीएमसी में बहुमत पार करने के लिए 117 सीटों पर जीतना जरुरी है। अतः शिंदे ग्रुप द्वारा जीती गई 29 सीटें जरुरी हैं, भाजपा को अपना मेयर बनाने के लिए।
- इसलिए, शिंदे भाजपा से भारी सौदेबाजी करने के मूड में हैं।
- शिंदे का पहला प्रस्ताव है, पहले ढाई साल के लिए उसके नेता को मेयर बनाया चाहिए, जो आधे कार्यकाल के पश्चात मेयर पद छोड़ देगा, भाजपा के लिए।
- शिंदे जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर भाजपा कभी राजी नहीं होगी। अतः ऐसा माना जा रहा है कि शिंदे को बीएमसी में स्टैण्डिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद दिया जाए। यह पद मेयर के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद माना बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में।
- शिंदे का यह भी प्रस्ताव है कि यह बाल ठाकरे की विरासत है कि बीएमसी पर शिवसेना का मेयर ही होता है। अतः शिवसेना (शिंदे ग्रुप) को मेयर पद मिलना ही चाहिए।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस को बीएमसी चुनाव में कुल चार प्रतिशत वोट मिले हैं, इतने कम वोट अब तक कांग्रेस के कभी नहीं मिले हैं। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा यह आरोप लगा रहा है कि इतने कम वोट मिलने का सबसे बड़ा कारण है, मुम्बई के प्रभारी द्वारा कांग्रेस के टिकट बेचना।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुंबई में स्थानीय बीएमसी चुनावों के बाद अब राजनीतिक जोड़-तोड़ और रस्साकशी शुरू हो गई है। भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना, जिसने 29 सीटें जीती हैं, अब अपनी ताकत दिखा रही है।

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में ठहरा दिया है और ''रिसॉर्ट पॉलिटिक्स'' एक बार फिर सक्रिय हो गई है। शिंदे, भाजपा का मेयर बनाने के बदले ''मुँह-माँगी कीमत'' वसूलना चाहते हैं।

रिकॉर्ड के लिए बता दें कि शिंदे मेयर पद के लिए ढाई-ढाई साल के रोटेशन की मांग कर रहे हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस मांग को मानने वाली नहीं है।

लेकिन शिंदे को जो मिलने की संभावना है, वह है स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की कमान, जो कि मेयर पद के बाद, धन-संपन्न बीएमसी की सबसे ताकतवर समिति मानी जाती है।

विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा का उभार कई राजनीतिक दलों के गलत फैसलों और सही समय पर सही गठबंधन न करने का नतीजा है। उनका मानना है कि कांग्रेस को शिवसेना के साथ गठबंधन करना चाहिए था और मुंबई में टिकटों की बिक्री नहीं करनी चाहिए थी, जैसा कि कांग्रेस के मुंबई प्रभारी ने किया।

कांग्रेस को केवल 4 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पार्टी का अब तक का सबसे कम वोट-प्रतिशत है।

'प.बंगाल में मुम्बई जैसी जीत मिलेगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में कहा कि भारत की जेन ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने हाल ही में मुंबई में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का हवाला देते हुए भरोसा जताया कि बंगाल के मतदाता भी इस बार भाजपा को चुनेंगे।

मालदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

- प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा की एक जनसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल की युवा पीढ़ी को भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा है।

कि भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत की पुनरावृत्ति बंगाल में भी होगी।

बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे सेना को ठाणे में अपने आप में बहुमत मिला है

शिंदे ग्रुप को 70 सीटों पर ठाणे में विजय हासिल हुई है, जबकि, बहुमत पार करने के लिए कुल 66 सीटों पर जीत जरुरी होती है, 131 सदस्यीय ठाणे म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में

- ठाणे में शिंदे सेना की इस जीत से भाजपा ने थोड़ी राहत की सांस ली है, क्योंकि, ठाणे में अपने प्रत्याशी को मेयर बनाने के बाद शिंदे अब बीएमसी में भी अपनी पार्टी के आदमी को ही मेयर बनाने पर ज्यादा जोर नहीं देंगे।
- और, अभी सार्वजनिक रूप से शिंदे बीएमसी के मेयर पद की जो मांग कर रहे हैं, इसका शायद कारण यह है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को यह ''इम्प्रेशन'' नहीं देना चाहते कि बिना कुछ संघर्ष किये ही उन्होंने बीएमसी का मेयर पद भाजपा को सौंप दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। पूरे महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में अभी मतगणना जारी है, लेकिन 25 वर्षों बाद ठाकरे परिवार की मुंबई की नगर-सत्ता पर पकड़ ढीली पड़ती दिख रही है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला गठबंधन बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनाव में जीत की ओर बढ़ता नज़र आ रहा है।

भाजपा की नज़र मुंबई के मेयर पद पर है। लेकिन, शिवसेना के बिना भाजपा बीएमसी में बहुमत का आंकड़ा नहीं छू सकती। सूत्रों के अनुसार, एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी से मेयर बनाए जाने के लिए दबाव बना सकते हैं।

शुक्रवार के अंत तक, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना देश के सबसे अमीर नगर निकाय, बृहन्मुंबई महानगरपालिका, पर नियंत्रण पाने की स्थिति में दिखीं, जिसे वे ठाकरे परिवार से छीनने जा रही हैं। ठाकरे परिवार 2022 तक लगातार कम से कम 25 वर्षों तक बीएमसी में मेयर पद पर काबिज रहा था।

कुल आंकड़ों पर नज़र डालें तो 227 सीटों वाली बीएमसी में 117 सीटें गठबंधन के खाते में जाती दिख रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 114 है, जो देखने में पर्याप्त लगता है, लेकिन कहानी में मोड़ भी आ सकता है।

आधी रात तक भाजपा 88 वार्डों में जीत या बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ किसी असंभव गठजोड़ को छोड़ देने की स्थिति में, ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें भाजपा शिंदे की शिवसेना (जो 29 वार्डों में आगे थी) के समर्थन के बिना निगम चला सके।

इस अंकगणित और ''किंगमेकर''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईसीसी के भारतीय अफसर को वीज़ा नहीं दिया बांग्लादेश ने

बांग्लादेश और आईसीसी के बीच टी-20 विश्व कप का विवाद गहराता जा रहा है

- आईसीसी (इंटरनैशनल क्रिकेट काउन्सिल) की दो सदस्यीय टीम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ वार्ता के लिए ढाका जाने वाली थी, पर, बांग्लादेश ने टीम के भारतीय सदस्य संजोग गुप्ता को वीज़ा नहीं दिया जो आईसीसी के सीईओ हैं।
- इसके बाद संजोग गुप्ता को रुकना पड़ा और एन्ड्रू एफग्रेव अकेले ही ढाका गए।
- इस यात्रा को गतिरोध दूर करने का आखिरी प्रयास बताया जा रहा था। ज्ञातव्य है कि 7 फरवरी से टी-20 वर्ल्ड कप शुरु हो रहा है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच चल रही उच्चस्तरीय वार्ताओं का 'अंतिम दौर' एक बड़ी लॉजिस्टिक समस्या के साथ शुरू हुआ। प्रस्तावित दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वीज़ा संबंधी जटिलताओं के कारण आधा रह गया। आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा प्रमुख एंड्रयू एफग्रेव 17 जनवरी को अकेले ढाका पहुंचे, ताकि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर बने गतिरोध पर बातचीत की जा सके। वहीं, आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता को समय पर वीज़ा न मिलने के कारण पीछे ही रुकना पड़ा।

इस दौरे को क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय शासी संस्था की ओर से एक अंतिम प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट पर मंडरा रहे कूटनीतिक और खेल संबंधी संकट को सुलझाया जा सके।

विवाद की जड़ में बांग्लादेश सरकार और बीसीबी द्वारा उठाई गई सुरक्षा चिंताएं हैं। बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से शीर्ष क्रिकेट संस्था से अनुरोध किया है कि मौजूदा राजनीतिक हालात और अपने खिलाड़ियों व स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए, उनके निर्धारित ग्रुप-स्टेज मुकाबलों को भारत से श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए।

सहकर्मी की अनुपस्थिति में, अब बातचीत का पूरा बोझ केवल एफग्रेव पर है। अंतरराष्ट्रीय खेल सुरक्षा में व्यापक अनुभव रखने वाले पूर्व ब्रिटिश पुलिस अधिकारी एफग्रेव से अपेक्षा है कि वे एक विस्तृत सुरक्षा योजना पेश करेंगे, जिससे बांग्लादेशी अधिकारियों को यह भरोसा दिलाया जा सके कि भारत में टी20 वर्ल्ड कप मैचों के दौरान उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो पर 22 करोड़ रु. का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 जनवरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो संकट की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य

- दिसंबर के पहले सप्ताह में आए संकट के मसले पर डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने यह जुर्माना लगाया और एयरलाइन के सी ई ओ को हटाने का भी निर्देश दिया।

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को भी इस मामले में आगाह किया है।

गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी की वापसी अच्छा संकेत नहीं है भारत के लिए

ईरान का राज परिवार अपने पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाना जाता रहा है

- रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, 1941 से 1979 तक ईरान की सत्ता पर काबिज़ थे। उन्होंने पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंध विकसित किए थे तथा 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया था और वे कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के पक्ष में थे।
- युवराज रज़ा पहलवी ने वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए न केवल लोकतांत्रिक सुधारों की बात कही बल्कि भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थन किया और कहा, दोनों देशों के सैंकड़ों सालों से नज़दीकी संबंध रहे हैं।
- रज़ा पहलवी का आगमन भारत पर मिला जुला प्रभाव डाल सकता है, दोनों देश में तकनीकी व आर्थिक संबंध बेहतर हो सकते हैं, पर, अमेरिका समर्थित व पाकिस्तानी रुझान वाला ईरान भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता और चाबहार पोर्ट तक भारत की पहुँच को प्रभावित कर सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। ईरान के निर्वासित युवराज रज़ा पहलवी, जो सरकार-विरोधी अशांति के बीच अपने पुराने साम्राज्य में संभावित वापसी की कोशिश कर रहे हैं, का कहना है कि उनके नेतृत्व में ''लोकतांत्रिक ईरानी राज्य'' भारत के साथ घनिष्ठ और सहयोगपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, सभ्यतागत और ऐतिहासिक रिश्तों का हवाला दिया।

वॉशिंगटन में आयोजित एक भीड़भाड़ वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पहलवी ने कहा कि भारत और ईरान के संबंध बहुत लंबे समय से चले आ रहे हैं और यह रिश्ता आधुनिक कूटनीति से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, ''सांस्कृतिक रूप से यह रिश्ता वर्षों पुराना है'' तथा आधुनिक इतिहास में भी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध रहे हैं।

हालांकि, ईरान में पहलवी की संभावित वापसी भारत के लिए मिले-जुले संकेत प्रस्तुत करती है। एक ओर, जहाँ इससे प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खुल सकते हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के करीबी और पाकिस्तान-समर्थक ईरान का उभरना भारत के लिए जोखिम भी पैदा कर सकता है, खासतौर पर चाबहार बंदरगाह तक भारत की पहुंच को लेकर।

ऐतिहासिक रूप से, रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, जो 1941 से 1979 तक ईरान के अंतिम शाह थे, के शासनकाल में ईरानी राजशाही के पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध थे। ईरान पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक अहम बफर स्टेट मानता था।

शाह ने 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। उनके शासन में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के रुख का जोरदार समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आक्रामक ठहराया। यह रुख 1979 के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक के अपेक्षाकृत तटस्थ रुख से बिल्कुल अलग था।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

- मृतक लिटन चंद्र घोष की मिठाई की दुकान थी और दुकान पर काम करने वाले लड़के को बचाने पर हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़ा मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी सुरक्षा के लिए अजीबोगरीब अपील की

हालांकि, यह भी सच है, ममता बनर्जी ने यह अपील, संविधान की सुरक्षा की मांग के छद्म रूप में की

- ममता बनर्जी ने कोलकाता हाई कोर्ट की उत्तर बंगाल बैंच के लिए निर्मित न्यायालय भवन के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान यह मांग की।
- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी इस समारोह में शरीक होने, दिल्ली से आए हुए थे तथा ममता बनर्जी की अपील को उन्होंने ध्यान से सुना।
- जैसा कि विदित ही है, ममता बनर्जी एक कंसलटैंट फर्म, आई-पैक के दफ्तर पर ईडी द्वारा की जा रही ''रेड'' के दौरान पुलिस के एक दस्ते के साथ वहाँ पहुँचकर कई सबूत की फाइलें, कागज़ात व कम्प्यूटरों आदि के अधिग्रहण कर अपने साथ ले गईं थीं।
- उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराकर मांग की थी कि ईडी की रेड को स्थगित कराया जाए तथा निर्देश जारी किए जाएं कि स्थानीय पुलिस के खिलाफ ईडी द्वारा जारी एफआईआर पर भी कुछ आगे कार्यवाही न की जाए।
- सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की दोनों मांगों को अस्वीकार कर ममता बनर्जी व पुलिस के दस्ते को नोटिस जारी किये थे।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जनवरी। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की जांच पर रोक से इनकार और स्थानीय पुलिस को ईडी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर आगे कार्रवाई न करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से हुए नुकसान को झेल रहीं ममता बनर्जी ने आज भारत के मुख्य न्यायाधीश से संविधान की रक्षा का नाम लेते हुए खुद को सुरक्षा देने की मांग की।

ईडी द्वारा कंसल्टेंसी फर्म ''आई पैक'' के दफ्तरों पर की गई छापेमारी से जुड़े अपने आचरण को लेकर खुद को घिरा हुआ महसूस करते हुए ममता बनर्जी ने यह कदम उठाया। वे कलकत्ता उच्च न्यायालय की उत्तर बंगाल पीठ के लिए बने नए अदालत भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने आई थीं।

वे अपनी सुरक्षा की अपील सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कर रही थीं, जो अन्य विधि विशेषज्ञों के साथ इस समारोह में उपस्थित थे। यह एक विचित्र स्थिति थी, जिसमें अभियुक्त और कथित अपराधी स्वयं अपनी जवाबदेही से बचने के लिए कानूनी संरक्षण मांग रहा था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता स्थित कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के दफ्तरों में जांच करने को लेकर ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। राज्य की मुख्यमंत्री ने खुद कोलकाता में फर्म के मुख्यालय पर चल रही जांच के दौरान वहां से फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर और मोबाइल फोन सहित, सारी महत्वपूर्ण सामग्री उठा ली थी।

ईडी करोड़ों रुपये के एक कोयला घोटाले की जांच कर रही थी, जिसमें एक सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी के लीज क्षेत्रों में अवैध खनन शामिल था। बाद में इस धन को हवाला चैनलों के जरिए भेजा गया। ईडी ने इन जांचों के लिए आवश्यक सामग्री की चोरी को लेकर शिकायत दर्ज कराने की मांग की थी।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कोयला माफिया की अवैध गतिविधियों की जांच कर रही है, जो एक गंभीर आर्थिक अपराध है। इसमें मुख्यमंत्री का व्यवहार अभूतपूर्व था और उच्च स्तरीय आर्थिक अपराध की जांच से जुड़ी सामग्री की स्पष्ट चोरी के समान था। सामान्य परिस्थितियों में इस तरह के आचरण पर तुरंत गिरफ्तारी और अभियोजन होना चाहिए था।

ममता बनर्जी इस तरह का आचरण पहले भी कई बार कर चुकी हैं और किसी भी प्रकार के दंड के बचती रही हैं। लेकिन इस बार उनके खिलाफ जन असंतोष और कार्रवाई की मांग कहीं अधिक मजबूत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 जनवरी से पहले आतंकी हमले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 17 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी

- इन्टेलिजैंस सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश तथा खालिस्तानी आतंकी समूह पंजाब के गैंगस्टर्स के सम्पर्क में है और कोई बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं। पंजाब के ये गैंगस्टर्स हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में सक्रिय हैं।

किया है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

बिना नंबर की बाइकों पर कार्रवाई की मांग

पावटा। कस्बे में बिना नंबर प्लेट और आधा नंबर लिखी बाइकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ऐसी बाइकों का इस्तेमाल असामाजिक तत्वों द्वारा चोरी, लूट और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किए जाने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना नंबर व आधा नंबर की बाइकों पर सवार युवक बेखौफ होकर बाजारों, गलियों और मुख्य मार्गों पर घूमते नजर आते हैं, लेकिन पुलिस द्वारा इनके खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और ईमानदार नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बेवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि विशेष अभियान चलाकर बिना नंबर प्लेट व आधा नंबर की बाइकों को जब्त किया जाए और संबंधित चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित चेकिंग कर कस्बे में कानून-व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता जताई गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो आपराधिक घटनाओं में और बढ़ोतरी हो सकती है। अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ठोस कदम उठाता है।

विद्यार्थियों को सिखाई लैण्ड स्केपिंग की कला

भरतपुर (निस)। कृषि महाविद्यालय भुसावर पर एनएसएस के तत्वाधान में विद्यार्थियों को लैण्डस्केप बनाना सिखाया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि ईंट, पत्थर, सीमेंट आदि से बना कोई भी भवन मरा हुआ होता है तथा पौधे लगाने से भवन प्राणवान बनता है। बिना पौधों के घर में बीमारियों का वास होता है इसलिए घर को जीवन्त व पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए पौधे लगाना आवश्यक है। जगह की कमी हो तो गमलों में पौधे लगायें। हमारे शास्त्रों में भी हर घर में कम से कम तुलसी का पौधा लगाना अनिवार्य किया गया है। डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि लैण्डस्केप जमीन के किसी टुकडे या घर को पौधों से सजाने के कला है और इसमें ज्यादा धन की आवश्यकता भी नहीं होती, बस मन अच्छा होना चाहिए। पौधे लगाना पुण्य कार्य है। यदि व्यवस्थित ढंग से पौधे लगाए जाए तो घर की सुंदरता में चार चांद लग जाते है। एनएसएस प्रभारी डॉ. मोहित कुमार ने कहा कि पौधे हमारी जीवन रेखा है, पृथ्वी पर बिना पौधे के जीवन संभव नहीं है। इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार, भानुप्रिया पंकज, डॉ. आकाश तंवर, दीपक मीणा, राहुल मीणा सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महासभा की बैठक आज

निवाई। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास में 18 जनवरी को सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सुबह 11 बजे महासभा के जिलाध्यक्ष बद्रीलाल शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। बैठक में टोंक जिला एवं निवाई तहसील की संयुक्त इकाइयों के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे। जिला महामंत्री मांगीलाल शर्मा व जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा ने बताया कि बैठक में छात्रावास परिसर में प्रस्तावित सामूहिक विवाह सम्मेलन सहित अन्य सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

150 छात्र-छात्राओं को गर्म वस्त्र बांटे

निवाई। लायंस क्लब के तत्वावधान में मानव सेवा के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जौला में निःशुल्क जर्सी वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के 150 विद्यार्थियों को सर्दियों से बचाव के लिए स्कूल ड्रेस के अनुरूप जर्सी वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य लॉयन अशोक सर्राफ भामाशाह रहे। जिनकी ओर से जर्सीया वितरित की गई। कार्यक्रम में लॉयन महेंद्र जैन, लॉयन हनुमान जैन, लॉयन अंशुल जगतपुरा, लॉयन हुकमचंद जैन सहित कई सदस्यों ने भाग लिया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निवाई राजमार्ग पर बाइक व ट्रक में भिड़ंत में युवक की मौत

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित फिल्टर प्लांट के सामने वाले कट पर शनिवार की शाम को एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई व दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि शनिवार शाम करीब 5:30 बजे निवाई निवासी तीन युवक बाइक पर

- **दो गंभीर घायल, जयपुर रैफर**

सवार होकर माधोलाव तालाब से मछली पकडकर लौट रहे थे। इस दौरान फिल्टर प्लांट के सामने वाले कट पर एक ट्रक ने उनकी बाइक टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीनों युवक लहूलुहान होकर सडक पर गिर पडे। घटना की सूचना पर हाईवे पुलिस मौके पर पहुँची और घायलों को तुरंत निवाई के उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने राधा दामोदर कुंड निवासी सिराज उर्फ कालू नीलगर को मृत घोषित कर दिया। घटना में मालियों का मोहल्ला निवासी लोकेश खंगार व मानसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका प्राथमिक उपचार करके दोनों को जयपुर रैफर कर दिया। इस दौरान अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। युवक सिराज की मौत की खबर से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है और ट्रक को जब्त कर लिया।

निवाई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित फिल्टर प्लांट के सामने वाले कट पर एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई।

गाजे बाजे से चढ़ाया निर्वाण लड्डू

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भक्तामर महामण्डल अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य के साथ पूजा अर्चना करते हुए भगवान आदिनाथ का गाजे बाजे के साथ निर्वाण लड्डू चढ़ाया।

कार्यक्रम मीडिया संयोजक सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि भक्तामर अनुष्ठान में प्रतिष्ठाचार्य पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में सैकडों श्रद्धालुओं ने भक्तामर महामण्डल विधान का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने बताया कि विधान में सोधर्म इन्द्र बनने का सोभाग्य निर्मल कुमार, राजेश कुमार झांझरी को मिला। उन्होंने बताया कि शहर के सभी दिगम्बर जैन मन्दिरों में भगवान आदिनाथ का निर्वाण महोत्सव मनाया गया। जिसमें बडा जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में भगवान आदिनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। जिसमें प्रेमचंद, ज्ञानचंद, सुशील कुमार एवं अनिल जैन सोगानी को मोक्ष लड्डू चढाने का सौभाग्य मिला।

सार-समाचार

जाजैकला में जर्सी व स्वेटर वितरण

शाहपुरा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजैकला में ठंड के मौसम में जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से राहत देने के उद्देश्य से कक्षा 1 से 8वीं तक सभी विद्यार्थियों को शुक्रवार को भामाशाह रोहिताश्व कुमार रूडला, ढाणी गोपालवासी, जाजैकला निवासी एवं रणवीर सेवा समिति के उपाध्यक्ष द्वारा जर्सी एवं स्वेटर का वितरण किया गया। इस अवसर पर एसएमसी सदस्य अमरसिंह जाट, मोहनलाल जाट, रामलाल कुशवाह एवं जाजैकला विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य जयसिंह यादव ने भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम मलपुरा निवासी नवरत्न पुत्र भवानी शंकर शर्मा ने जमीन पर कब्जा करने की नियत से डराने-धमकाने वाले मुल्जिमान के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि मेरी जमीन हाईवे से लगती हुई है, जिसका पूर्व खसरा नं. 842 है, जिसमें गेहूं की फसल काश्त कर रखी है। इस जमीन से लगता हुआ एक प्लॉट किसी अन्य का स्थित है, उक्त प्लॉट पर कुछ लोग कई दिनों से ट्रैक्टर, जेसीबी लाकर भरत कर रहे है एवं मेरी जमीन पर कब्जा करने की नियत से फसल को दबाकर बर्बाद कर रहे है। जब परिवादी की माताजी ने विगत दिनों इनको बार-बार कहा कि आप हमारी फसल नष्ट कर जमीन दबाने का प्रयास कर रहे हो तो उक्त लोग 3-4 दिनों तक लगातार फसल बर्बाद कर जमीन कब्जाने का प्रयास करते रहे। विगत 14 जनवरी को जब परिवादी की माताजी ने पुनः ट्रैक्टर चालक को ऐसा करने से रोका तो उसके बुलाने पर कुछ देर बाद दो काले रंग की गाडियों में करीब आधा दर्जन हथियारबंद बदमाश आये एवं मौके पर आते ही परिवादी की माताजी व चाची से गाली गलौच एवं मारपीट की। इसी दौरान हो-हल्ला करने पर आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बीच बचाव करवाया। सूचना पर परिवादी समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंचे तो उक्त बदमाशों ने उन पर भी गाडी चढाने की कोषिष की। जिससे भागकर पीडित पक्ष ने जान बचाई। दबंग पीडित परिवार को जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गये। यहा नहीं परिवादी को फोन पर भी जानमाल के नुकसान की धमकी दी गई। इस बाबत परिवादी स्थानीय पनियाला थाने में परिजनों के साथ रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंचा तो पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की, जबकि विपक्षियों की ओर से परिवादी व उसके परिजनों एवं स्थानीय सरपंच के विरूद्ध ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। ज्ञापन में बताया कि मौके पर रोजाना नये-नये नंबरों की गाडियों में सवार होकर आ रहे बदमाश जानमाल के नुकसान की धमकी दे रहे हैं। जिससे तनाव बना हुआ है एवं कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। ज्ञापन में पुलिस थाना पनियाला को रिपोर्ट दर्ज किये जाने के आदेश देने एवं कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि हीरालाल गुर्जर, पूर्व सरपंच जयराम सिंह गुर्जर, सुभाष गुर्जर, दिनेश कमाण्डेन्ट, रामेष्वर चेयरमैन, हनुमान गुर्जर, लीलाराम गुर्जर, हरदान पंच, पूरणमल भरगड़, राधेश्याम गुर्जर, मूलचंद शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, मदनलाल शर्मा, कुलदीप गौड़, लालचन्द यादव, छाजुराम शर्मा, धर्मेन्द्र योगी, जगदीश शर्मा, विरेंद्र कुमार नवल, मुकेश गुर्जर, कैलाश गुर्जर, विष्भूदयाल, भोपाल गुर्जर समेत अन्य मौजूद रहे।

मुख्य मार्ग पर कीचड़ से परेशानी

निवाई। लुहारा ग्राम पंचायत से गांव हरभावता के मुख्य रास्ते में कई महिनों से कीचड़ भरा हुआ है। जिससे ग्रामीणों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। ठाामवासी अशोक लांगडी सहित कई ठाामीणों ने बताया कि हरभावता के मुख्य रास्ते में कई महिनों से कीचड़ भरा हुआ है। जिसमें पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। दुपहिया वाहन चालकों को फिसलने का खतरा बना रहता है। स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं सहित बुजुर्ग व महिलाएं प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरते हैं। कई बार लोग गिरते गिरते बचे हैं। ठाम पंचायत में शिकायत के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ठाामीणों ने मांग की है कि उक्त रास्ते में तत्काल मिट्टी डालकर समतलीकरण करवाकर पक्का निर्माण कराया जाए। जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके।

विद्यार्थियों को जर्सिया बांटी

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में कक्षा 1 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों को जर्सिया वितरित की गई।प्रधानाचार्य गिरिराजप्रसाद गुर्जर ने बताया कि विद्यालय के स्टाफ एवं भामाशाह के सहयोग से जर्सी वितरण की गई।

स्किल एक्जीबिजशन कम कंपीटिशन

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वनस्थली में व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित ट्रेड इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं परिधान पहनावा एवं गृह सज्जा के अंतर्गत तारिख स्किल एक्जिबिजशन कम कंपीटिशन में विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रोजेक्ट मॉडल्स प्रदर्शित किए। इस दौरान मुख्य रूम से भूकंप संवेदक, व करंट सेफ्टी मॉडल का प्रदर्शन किया। स्किल एक्जीबिजशन में गणेश कटारिया मॉडल डिफरेंट टाइप इलेक्ट्रिसिटी जनरेशन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह परिधान पहनावा एवं गृह सज्जा में छात्रा कविता बैरवा का मॉडल प्रथम स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जयपुर के सुरेन्द्र कुमार शर्मा, एवं कौशल मित्र एवं उपाचार्य अनामिका शर्मा रहे।

कवि सूर्यदेव बारेठ का गुजरात में साहित्यकार सम्मान होगा

किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा और अलवर जिले के गौरव साहित्यकार कवि एवं राजनेता पद्मश्री सूर्य देव सिंह बारेठ का गुजरात के भावनगर में साहित्यकार समिति की ओर से 22 फरवरी को सम्मान किया जाएगा। यह साहित्यकार सम्मान प्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय कथा वाचक मुरारी बापू के हाथों प्रदान किया जाएगा। बारेठ ने कहा यह मिलने वाला सम्मान उनके लिए प्रसन्नता के साथ इज्जत का होगा। साहित्यकार कवि सूर्य देव सिंह बारेठ अपने जीवन के 88 साल के सफर में विभिन्न संस्थाओं विभिन्न पदों पर रहकर सैकडों लेख लिख चुके है। ढाई सौ से अधिक कवि सम्मेलन में हिस्सा ले चुके है और 45 से अधिक बार जिले में अलवर गौरव रत्न, प्रांतीय स्तर पर राजस्थानी रत्न एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर 1971 में राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री से सम्मानित होने का गौरव हासिल कर चुके है। विभिन्न देशों की यात्रा कर अपने क्षेत्र व गांव जिले का नाम रोशन किया है।

सूर्यदेव बारेठ

- **कथावाचक मुरारी बापू के हाथों किया जाएगा बारेठ का भावनगर गुजरात में सम्मान**

सूर्य देव सिंह बारेठ लम्बे समय तक वह और उनकी पत्नी नंदा देवी बारेठ किशनगढ़ बास पंचायत समिति के प्रधान पद पर रहे हैं। उन्होंने कहा 88 साल की उम्र के जीवन में ना तो मेरे ऊपर किसी ने मुकदमा किया है और ना ही मेने किसी पर मुकदमा किया है। जीवन में मेंने ईमानदारी और सादगी के पथ पर आगे बढ़ते हुए गांव से अंतराष्ट्रीय स्तर पर इज्जत और सम्मान पाया है। पत्रकारों को जानकारी देते हुए बारेठ ने बताया कि गुजरात के महाकवि दुला भाई गांधी जी के समीप रहकर उनके साथ स्वतंत्रता की रचना किया करते थे। आजादी के बाद गुजरात के महाकवि दुला भाई को पद्मश्री अवार्ड मिला और उनके रहने वाले गांव का नाम कागधाम किया गया। महाकवि दुला भाई की स्मृति में भावनगर गुजरात में साहित्यकारों को सम्मान दिए जाने के लिए समिति बनी जो दुला भाई की स्मृति में साहित्यकारों का सम्मान कर रही है। साहित्यकार कवि सूर्य देव सिंह बारेठ ने कहा महात्मागांधी सबसे पहले साउथ अफ्रीका में एक महाजन की वकालत करने के लिए गए जहां उन्होंने स्वतंत्रता का आंदोलन शुरू किया।

मानवता व सेवा की भावना से कार्य करें : डॉ. शेखावत

कोटपूतली। जिला स्तर पर तीन दिवसीय पैलेटिव केयर का प्रशिक्षण सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने बताया कि असाध्य रोगों से पीडित व्यक्ति की घर पर सुचारू देखभाल करने एवं उसके जीवन स्तर में सुधार करने के लिये 03 दिवसीय पैलेटिव केयर का प्रशिक्षण जिला स्तर पर आयोजित किया गया है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को मानवता एवं सेवा की भावना से कार्य करने के लिये प्रेरित किया। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया ने बताया कि जो लोग असाध्य रोग से पीडित है तथा जिनकी समय पर असुविधा के कारण घर पर देखभाल नहीं हो पा रही है उनको स्वास्थ्य सुविधा एवं देखभाल के लिये पैलेटिव केयर की जायेगी।

बयाना में अनोखा चिड़ियाघर बनाया

बयाना भरतपुर (निस)। क्या कोई व्यक्ति पक्षियों से इतना प्रेम कर सकता है कि उनके लिए अलग से आशियाना बनवा दे। बयाना में यह सवाल अब हकीकत बन चुका है।

बयाना कस्बे के पास पक्षी प्रेम की एक अनोखी और प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली है। बयाना से लहचोरा खुर्द मार्ग पर, कृष्ण गौशाला के ठीक सामने खेतों के बीच एक भव्य चिड़ियाघर का निर्माण किया गया है। इस चिड़ियाघर का निर्माण बयाना निवासी सतीश नारंग द्वारा कराया गया है, जो प्रकृति और पक्षियों के प्रति अपने प्रेम के लिए चर्चा में हैं।

सतीश नारंग ने बताया कि करीब 7 लाख रुपये की लागत से इस चिड़ियाघर का निर्माण कराया गया है। खास बात यह है कि इसे गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार किया गया है, जिसे बनाने में लगभग दो महीने का समय लगा।

इस चिड़ियाघर में एक साथ करीब 2500 पक्षियों के रहने की व्यवस्था है।

- **बयाना से लहचोरा खुर्द मार्ग पर, कृष्ण गौशाला के ठीक सामने खेतों के बीच एक भव्य चिड़ियाघर का निर्माण किया गया है**

यह सिर्फ एक संरचना नहीं, बल्कि पक्षियों के लिए सुरक्षित और शांत आश्रय स्थल है। रोजाना पक्षियों के लिए गौशाला की छत पर नियमित रूप से दाना डाला जाता है, ताकि उन्हें भोजन की कोई कमी न हो।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल न सिर्फ पक्षियों के संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम है, बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने का संदेश भी देती है। सतीश नारंग का यह प्रयास साबित करता है कि अगर इच्छाशक्ति हो, तो इंसान और प्रकृति के बीच संतुलन को खूबसूरती से कायम रखा जा सकता है।

मौत को दावत दे रहे खुले ट्रांसफार्मर

भुसावर भरतपुर (निस)। भुसावर में कनिष्ठ अभियंता कार्यालय के बाहर खुले और असुरक्षित ट्रांसफार्मरों से बडा खतरा हो रहा है।

पूर्व सरपंच सतीश पांडे ने मुख्यमंत्री और जेवीवीएनएल अधिकारियों को पत्र लिखकर टूटी चारदीवारी और बिना गेट के कार्यालय परिसर की सुरक्षा सुधारने की मांग की है। आवारा पशुओं और इंसानों पर मंडरा रहे बिजली के इस काल को लेकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की पुरजोर गुजारिश की गई है। भुसावर कस्बा स्थित बस स्टैंड के समीप संचालित कनिष्ठ अभियंता कार्यालय इन दिनों एक बड़े खतरे का केंद्र बना हुआ है।

कार्यालय परिसर में स्थित विशालकाय और हाई-वोल्टेज बिजली के ट्रांसफार्मर खुले आसमान के नीचे असुरक्षित अवस्था में पड़े है, जिससे कभी भी कोई बड़ी अनहोनी घटित हो सकती है। कार्यालय की जर्जर चारदीवारी और मुख्य गेट पर फाटक या किसी भी प्रकार के अवरोध का न होना स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत कांग्रेस की बैठक

भरतपुर (निस)। प्रदेश कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत शहर के ईदगाह कॉलोनी स्थित बाल्मिकी सामुदायिक भवन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से बैठक आयोजित की गईजिसमें मुख्य रूप से ब्लॉक प्रभारी रमेश धाबाई एवं अशोक ताम्बी ने भाग लेकर केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में वाल्मिकी समाज के लोगों को जागरूक किया। बैठक की अध्यक्षता शहर ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. दयाचंद पचौरी ने की। शहर प्रवक्ता दिगम्बर खटाना ने बताया कि इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भाजपा गांधी के नाम से डरती है इसीलिए मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाकर जीरामजी करके उसे भी धार्मिक उन्माद फैलाने का आधार बना दिया।

जो राज्य पहले से ही अपने आधारभूत विकास के लिए केंद्र सरकार से पैसे की उम्मीद करते है उन्हीं राज्यों पर 40 प्रतिशत का अतिरिक्त भार डालकर मनरेगा कर्मियों के साथ धोखा और भ्रम

- **नाम परिवर्तन के विरोध में केंद्र सरकार पर साधा निशाना**

की स्थिति पैदा करने का प्रयास केंद्र सरकार कर रही है।कांग्रेस पार्टी इसका डटकर विरोध करेगी। संचालन इंजी जीवनलाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य सतीश सोगरवल, पूर्व पार्षद चरण सिंह बाल्मीकि, राजेन्द्र सारस्वत, निरंजन जघीना, दिगम्बर खटाना, अजयपाल दारापुरिया,सुरेश पदमाती, अभिषेक तिवारी, चंद्रकांत शर्मा, नदीम मलिक, वशीर खान,अवधेश शर्मा, लक्ष्मीनारायण सैन, दिनेश सोगरवाल, अभिषेक चौंदवारी, हरिओम सारस्वत, पूनम शर्मा, उपेंद्र चंदेला, अमित गौरावर, राकेश पठानियां, कैलाश सारवान, कर्मवीर फौजदार, राकेश सोलंकी, शहीद खान, मानसिंह सैन, लखन सिंह, नरेश कुमार, मोनू, राजू सहित कांठोस जनों ने अपने विचार रखे।

किसान महापंचायत की बैठक 20 को

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि उपज मंडी में बैठक आयोजित होगी। महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में 20 जनवरी को 12 बजे बैठक आयोजित होगी।

भाजपा व आज़ाद पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

पावटा। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक निजी होटल में कांग्रेस पूर्व विधायक व जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में पावटा ब्लॉक अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव, जगदीश मीणा, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहर सिंह धनकड, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओपी बायला, रामनिवास यादव, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, अजय सैनी, राजीव डेहरवाल सहित कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में विराटनगर व पावटा ब्लॉक कांग्रेस की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया बैठक में क्षेत्र के राजनीतिक हालात, संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों एवं जनसमस्याओं सहित बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था सहित स्थानीय मुद्दों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की खास बात यह रही कि भाजपा व आजाद पार्टी से जुड़े कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा से आए पूर्व नगर अध्यक्ष व वस्त्र व्यापार मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र गोयल मुकेश सिंह शेखावत बडनगर, सवाई सिंह शेखावत बडनगर, दुलीचंद जांगिड, महेंद्र ओला, रवि स्वामी, अनिल सिंह शेखावत, विक्रम सिंह शेखावत, दाताराम यादव, अशोक वर्मा, मालीराम बुनकर, रामनिवास चोरिया, सोनू अग्रवाल, योगेंद्र सिंह, सतनारायण स्वामी, लोकेश स्वामी, मुकेश स्वामी, बलवीर यादव, संदीप शेखावत, मुकेश सिंह, मालीराम योगी, विकास पटवा, सुमित मंगल, जानकी अग्रवाल, सुरेश यादव, राकेश गवारिया, राजेश अग्रवाल, शंकर बंसल, विक्रम सारण सहित सभी नवप्रवेशी साथियों का माला पहनाकर व पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कांठोस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो आमजन, किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों की सच्ची लड़ाई लड रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनसमस्याओं से मुंह मोडे हुए है, जिससे जनता में भारी असंतोष है और इसी का परिणाम है कि अन्य दलों के कार्यकर्ता कांठोस से जुड रहे हैं। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने और स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से पूर्व विधायक व जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में बैठक आयोजित हुई।

- **भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र गोयल सहित कई लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन**

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। इस दौरान एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर कांठोस पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने सरकार पर तीखा हमला बोला। विधायक ने कहा कि एसआईआर के नाम पर आम मतदाताओं को परेशान किया जा रहा है और बिना पूरी जानकारी दिए कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर लोकतंत्र पर हमला है। कांठोस पूर्व विधायक गुर्जर ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र पर दबाव बनाकर राजनीतिक लाभ के लिए एसआईआर की प्रक्रिया को गलत तरीके से लागू किया जा रहा है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-9551 दिनांक-06.01.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 162/148 (EWS), (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती प्रेमलता ...

नाम परिवर्तन मैं GYANA DEVI मेरी एक पॉलीसी PNB METLIFE में है POLICY NO. 21745444 जिसमें मेरे पिताजी का नाम SARVAN LAL PRAJAPAT है तथा मेरे PAN में SHARWAN LAL KUMAWAT है एवं मेरे पति का नाम पॉलिसी में SAUJI RAM PRAJAPAT है तथा पेन व आधार में SHYOJI RAM है मेरा जन्म तिथी 03.02.1963 है एवं पॉलीसी में 05.03.1963 है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है।

नाम परिवर्तन मैं (SADDIK MOHAMMAD) पुत्र पीरूमोहम्मद टूमली का बास चाकसू। पोसपोर्ट K7335971 में (SADADIK MOHAMMAD) आधार पेनकार्ड में (SADDIK MOHAMMAD) हैं। (SADDIK MOHAMMAD) सही है। दोनों एक ही व्यक्ति है। मैं सद्दीक (SADDIK MOHAMMAD) से पहचाना जाता हूँ। जो सही सत्य है। इसमें असत्यता होती है तो इसकी जिम्मेदारी मेरी होगी।

श्री गोविन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
कार्यालय- गोविन्द नगर पश्चिम जनउपयोगी भवन, आमेर रोड, जयपुर
क्रमांक : 15/2026 निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक: 17.01.2026
समिति के जनउपयोगी भवन की छत का बजरपुट मरम्मत आदि कार्यो के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक ठेकेदार निविदा सम्बंधी कार्यों/शर्तों हेतु 15 दिन में कार्यालय पर सम्पर्क कर सकते हैं।
(नारायण सिंह राणावत) अध्यक्ष
श्री गोविन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लि. आमेर रोड, जयपुर-302002

NAME CHANGE

I have Changed My Name From Mohammed Taheer to MOHAMMED TAHIR S/o Mohammed Hanif for all future Purpose, Address: 2946, Phoota Khurra, Ramganj Bajar, Jaipur.

I army no 1567966L Ex L Hav Bhoju Ram gujar S/o gopi Lal gujar resident of sadar bazar ghatiyali po sawar district Ajmer that i want to change my name from BHOJU RAM GUJAR TO BHOJU RAM GURJAR & Wife name smt. LALI DEVI TO LALI GURJAR vide affidavit dated 02.01.2026 before district sub majistrate jaipur (second) sanganer.

I Nikita Saini D/o service no 14835022P Late sepoy ACP-1 Bhanwar Lal Saini resident of ward no 1 Dhani mannawali village kareeri teh Shahpura district jaipur. That i want to change my name from NIKETA TO NIKITA SAINI vide affidavit dated 13 jan 2026 before teh & majistrate shahpura jaipur.

दहेज प्रताड़ना से परेशान विवाहिता साड़ी के फंदे से झूली

जयपुर(निसं)। दौलतपुरा थाना इलाके में एक विवाहिता ने दहेज के पांच लाख रुपयों की डिमांड से परेशान होकर साड़ी के फंदे से झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और

- **दौलतपुरा थाना पुलिस कर रहीं है मामले की जांच, पीहर पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप**

पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। जहां से उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया कि आंधी निवासी रामगोपाल शर्मा ने का आरोप है कि अप्रैल -2025 में उन्होने अपनी बेटी मोनिका (23) की शादी चोप (दौलतपुरा) निवासी विष्णु से की थी। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल वाले दहेज में पांच लाख रुपए की डिमांड करते हुए मोनिका को परेशान करने लग गए। शादी के दस माह में कई बार पीड़िता को परेशान किया गया।

सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार कर रही हर संभव सहयोग

जयपुर,(निसं)। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि निरीक्षक सहकारिता विभाग की रीढ़ हैं, वे अपनी भूमिका को और विस्तार देते हुए सहकारी समितियों के संरक्षक और मार्गदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सहकारी समितियों को वर्तमान समय के अनुरूप सशक्त, सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज द्वारा आयोजित सहकार संगम-2026 कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहकारिता क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष रूप से रोजगार सृजन में सहकारिता क्षेत्र बड़ी भूमिका निभा सकता है। माननीय प्रधानमंत्री की इस मंशा को साकार करने के लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आर्थिक युग का प्रभाव विगत वर्षों में सहकारी संस्थाओं पर पड़ा, जिससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गई। लेकिन अब माननीय

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सहकार संगम-2026 कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना के अनुरूप एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत लगभग 120 पहलों के माध्यम से सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाया जा रहा है। सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग कर रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से अब पेट्रोल पम्प तक का संचालन किया जा सकता है। राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसे में हम सबकी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त और लाभांश देने लायक बनाएं। दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं की रोकथाम के लिए सहकारी निरीक्षक निरन्तर सजग रहते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग करें।

कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज की प्रदेशाध्यक्ष मती सुमित्रा चौधरी ने कहा कि राज्य में 600 से अधिक सहकारी निरीक्षक अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए सरकार की मंशा के अनुरूप सहकारिता को जन-जन तक पहुंचा रहे

- **निरीक्षक सहकारिता विभाग की रीढ़, सहकारी समितियों के संरक्षक और मार्गदर्शक की निभाएं भूमिका**
- **सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त एवं लाभांश देने लायक बनाने की आवश्यकता : सहकारिता मंत्री**

हैं। उन्होंने कहा कि सहकार संगम कार्यक्रम इस वृहद् परिवार के लिए संवाद का एक मंच है, जिसके माध्यम से वे अपनी आपसी समझ को बढ़ाते हुए और एक-दूसरे के अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे।प्रारम्भ में सहकारिता मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। उन्होंने राजकीय सेवा से इतर सामाजिक सरोकार निभाने वाले निरीक्षकों को सहकार रत्न पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही, संगठन की त्रैमासिक पत्रिका सहकार स्तंभ के कवर पेज का विमोचन किया।

सार-समाचार

शिकायत के बाद भी खराब फ्रिज नहीं बदला, ग्रेट ईस्टर्न पर 55 हजार का हर्जाना

जयपुर,(निसं)। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने वारंटी पीरियड में खराब हुई फ्रिज की बार-बार शिकायत करने के बावजूद उसे नहीं बदलने को दुकानदार का सेवा दोष माना है। इसके साथ ही अदालत ने विक्रेता ग्रेट ईस्टर्न पर 55 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं खरीदे गए फ्रिज की कीमत 31500 रुपए भी लौटाने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जीएल मीना और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश अरविंद चोपड़ा के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में अधिवक्ता उमेश सारस्वत ने आयोग को बताया कि परिवादी ने विपक्षी विक्रेता से जुलाई, 2022 में 31 हजार पांच सौ रुपए अदा कर फ्रिज खरीदा था। जिस पर दस साल की वारंटी दी गई थी। फ्रिज की डिलीवरी होने पर परिवादी ने विक्रेता को आपत्ति दर्ज कराई कि उसे तय फ्रीज डिलीवर नहीं किया गया है। वहीं पन्द्रह दिन बाद ही फ्रिज ने कूलिंग करना बंद कर दिया। इसकी शिकायत करने पर विपक्षी के इंजीनियर ने आकर उसे सही किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद फ्रिज के निचले हिस्से में पानी भर गया। परिवादी ने इसे मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट बताकर बदलने की गुहार की, लेकिन विक्रेता ने न तो फ्रिज बदला और ना ही उसे ठीक किया।

भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में फरार जूनियर इंजीनियर गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में फरार वांछित जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि लीक पेपर पढ़कर आरोपी जूनियर इंजीनियर ने परीक्षा पास की थी और लाखों रुपए में पेपर की डील कर खरीदा था। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा-2020 का पेपर लीक होने पर जयपुर के सांगानेर थाने में मामला दर्ज हुआ था। इसके बाद पेपर लीक मामले की जांच एसओजी को सौंपी गई थी। एसओजी ने पिछले काफी समय से वांछित आरोपी सुरेश कुमार बिश्नोई (29) निवासी चितलवाना जालोर को गिरफ्तार किया है। जो बालोतरा के धोरीमन्ना में सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता के पद पर तैनात था। एसओजी की जांच करने का पता चलने पर आरोपित सुरेश कुमार बिश्नोई फरार हो गया

क्रीड़ा भारती द्वारा खेल कबड्डी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

जयपुर(निसं)। क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में आयोजित होने वाली खेल कबड्डी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को माध्यमिक भवन, आदर्श विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजा पार्क में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में भाजपा के विधायक प्रत्याशी रवि नेयर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल सैनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती, प्रसिद्ध ओलंपियन खिलाड़ी एवं अर्जुन अवार्डी करेंगे। वहीं जयपुर प्रांत अध्यक्ष डॉ. जी.एल. शर्मा, मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस कबड्डी खेल प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों में कबड्डी को शामिल कराने की दिशा में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच रविवार से प्रारंभ होंगे।

पति को छात्रवृत्ति देने से नहीं किया जा सकता इनकार

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस स्कीम से जुड़े मामले में कहा है कि पति को यह कहते हुए छात्रवृत्ति से इनकार नहीं किया जा सकता कि विवाह से पहले उसकी पत्नी को स्कॉलरशिप दी जा चुकी है। अदालत ने कहा कि विवाह से पहले युवती अपने पिता के परिवार की सदस्य होती है और शादी के बाद वह पति के परिवार का हिस्सा बनती है। इसलिए पूर्व में युवती को मिली छात्रवृत्ति के आधार पर पति को इससे वंचित नहीं किया जा सकता। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश देवेन्द्र कुमार कोठारी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का बेटा प्रखर कोठारी अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के एमबीएआई प्रोग्राम में अध्ययनरत है। उसने राज्य सरकार की स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस स्कीम के तहत स्कॉलरशिप के लिए आवेदन किया था, लेकिन गत 19 दिसंबर को उसका आवेदन खारिज कर दिया। जब इसका कारण पूछा गया तो प्रशासन ने मौखिक रूप से बताया कि इसी योजना के तहत उसकी पत्नी को तीन साल पहले छात्रवृत्ति मिल चुकी है। नियमानुसार ई-3 श्रेणी में एक परिवार से केवल एक सदस्य को ही स्कॉलरशिप दी जा सकती है। ऐसे में उसे इस स्कॉलरशिप से वंचित किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि उसकी पत्नी को विवाह से पहले स्कॉलरशिप मिली थी और उस समय वह उसके परिवार का हिस्सा ना होकर अपने पिता के परिवार का हिस्सा थी। इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों को आर्थिक सहायता देकर उच्च शिक्षा का अवसर देना है, न की ऐसे आधारों पर उसे वंचित करना, जिस पर उसका कोई नियंत्रण ही नहीं है। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि योजना में ई-श्रेणी में एक परिवार से एक सदस्य की लाभान्वित हो सकता है। याचिकाकर्ता की पत्नी को पूर्व में इसका लाभ दिया जा चुका है। ऐसे में पति को योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को नियमानुसार स्कॉलरशिप देने के आदेश दिए हैं।

एटीएम मशीन खोल नकदी चोरी करने का प्रयास

जयपुर(निसं)। बनीपार्क थाना इलाके में एक सिक्योरिटी गार्ड को नकबजन पकड़ना भारी पड़ गया। बदमाशों को सिक्योरिटी गार्ड का टोकना इतना नागवार गुजरा की उन्होने सिक्योरिटी गार्ड की पीटा कर दी और उसके हाथों की अंगुलियों का चबा डाला। जिसके बाद बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। लेकिन घटना स्थल पर मौजूद अन्य राहगीरों ने बदमाशों को दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। एएसआई भंवरलाल ने बताया कि जमवारामगढ़ के इंदरगढ़ निवासी अशोक कुमार गुर्जर (36) ने मामला दर्ज कराया है की वह कोर सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड के पद पर तैनात है। कलेक्ट्री सर्किल पर मिनी सचिवालय में एसबीआई एटीएम पर सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी करता है। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उसकी ड्यूटी रहती है। शुक्रवार को एटीएम पर सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी पर तैनात था। सर्दी होने के कारण सुबह करीब पौने 11 बजे एटीएम के बाहर धूप में बैठ गया। तभी एटीएम बूथ में हेलमेट लगाकर एक युवक अंदर घुसा और पांच मिनट तक बाहर नहीं आया तो अशोक कुमार ने अंदर जाकर देखा तो युवक पेचकस से एटीएम बूथ में बैक रूम खोलने की कोशिश करता मिला।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा बैठक आयोजित

जयपुर(निसं)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चे के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक श्री गोपीचंद मीणा की अध्यक्षता में आगामी 21 जनवरी को होने वाले पदभार ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर विधायक आवास पर मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जनजाति समाज के प्रमुख लोगों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक की जानकारी देते हुए जनजाति मोर्चे के प्रदेश प्रवक्ता मानसिंह मीणा ने बताया कि नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष गोपीचंद मीणा द्वारा समारोह की सफल आयोजन हेतु सभी पदाधिकारियों को संभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पदभार कार्यग्रहण समारोह का आयोजन 21 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय, जयपुर में दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर ओरांव, राजस्थान प्रभारी हकरू भाई मईडा सहित जनजाति समाज के सांसद, मंत्री, विधायक, मोर्चे के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वर्तमान प्रदेश पदाधिकारी तथा जनजाति समाज के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में रामभजन मीणा, कालूराम मीणा, विनोद मीणा, रामस्वरूप मीणा, राधागोविन्द करोल, महेश मंगल, सुरेश गैटोर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उड़ान उत्सव में दिया कुमारी ने विद्यार्थियों का बढ़ाया हौसला

जयपुर (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र स्थित केपीएस उड़ान विद्यालय के वार्षिकोत्सव 'उड़ान उत्सव 2026' में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई साइंस एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी नवाचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि परिजनों को बच्चों पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव नहीं बनाना चाहिए, बल्कि जिस क्षेत्र में बच्चे की रुचि और प्रतिभा हो, उसमें आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बच्चे के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में परिजनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। साथ

- **ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते है**

ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुँचाकर उनके सपनों को साकार किया जा सकता है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर आगे बढ़ने का अवसर दिया जा सकता है। इस अवसर पर हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य , खाण्डल विप्र विद्यालय समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा , सेवानिवृत्त न्यायाधीश बनवारी लाल शर्मा, महासचिव ओमप्रकाश सेवदा, पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा , सचिव बी.डी. खंडेलवाल , सदस्य रमेश शर्मा सहित कार्यकारिणी पदाधिकारी, विद्यालय स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ कर्मचारियों के प्रशिक्षण भत्ते की रिकवरी पर रोक

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ कर्मचारियों का प्रशिक्षण भत्ता रोकने और बाद में उसकी रिकवरी करने के मामले में गृह मंत्रालय के सचिव, सीआरपीएफ के डीजी और डीओपीटी सचिव सहित संबंधित अकादमी के कमांडेंट से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं से की जा रही वसूली पर रोक लगा दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश रितेन्द्र कुमार राठौड़ की ओर से दायर याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि केंद्र के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने 5 सितंबर 2008 को आदेश जारी कर प्रावधान किया कि केंद्रीय कर्मचारी को यदि किसी अकादमी में पद स्थापित किया जाता है तो उसे बेसिक पे का तीस फीसदी तक प्रशिक्षण भत्ता दिया जाएगा। याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को सीआरपीएफ ट्रेनिंग अकादमी में पदस्थापित किया गया और पदस्थापन के दौरान उनकी बेसिक पे का 24 फीसदी प्रशिक्षण भत्ता देना स्वीकृत किया।

आज से होगा अमरूद महोत्सव व कृषि तकनीकी मेला-2026 का शुभारंभ

जयपुर, (निसं)। पंच गौरव कार्यक्रम के तहत सवाई माधोपुर जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा 18 जनवरी रविवार से दशहरा मैदान में दो दिवसीय अमरुद महोत्सव एवं कृषि तकनीकी मेल-2026 का आयोजन देश में पहली बार कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल की अध्यक्षता में किया जा रहा है। आयोजन के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहेंगे।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि अमरूद महोत्सव में राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालयों, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस, केवीके, वैज्ञानिकों, किसानों, , व्यापारियों और संस्थानों की भागीदारी रहेगी। प्रतिदिन लगभग 10 हजार किसान इस महोत्सव में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान दर्जनों उन्नत अमरूद किस्मों का प्रदर्शन एवं स्वाद परीक्षण कराया जाएगा, वहीं उत्कृष्ट किस्मों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महोत्सव की

- **देशभर के किसान, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ होंगे शामिल, प्रतिदिन लगभग 10 हजार किसान इस महोत्सव में शामिल होंगे**
- **चौपालों के माध्यम से उन्नत खेती तकनीक, किस्म चयन, पौध संरक्षण, विपणन और मूल्य संवर्धन से जुड़ी जानकारियां साझा की जाएंगी**

विशेषता यह रहेगी कि किसानों का वैज्ञानिकों से सीधा संवाद होगा। चौपालों के माध्यम से उन्नत खेती तकनीक, किस्म चयन, पौध संरक्षण, विपणन और मूल्य संवर्धन से जुडी जानकारियां साझा की जाएंगी। साथ ही किसानों और व्यापारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद से बिचौलियों की भूमिका कम करने पर भी जोर दिया जाएगा।

कृषि मंत्री ने बताया कि अमरूद प्रसंस्करण इस महोत्सव का प्रमुख आकर्षण होगा। मेले में अमरूद से बने जूस, चिप्स, कैंडी, फ्रूट बार, जैली, बर्फ़ी, लड्डू, शरबत, पल्प, , चटनी, आचार, लैदर, पाउडर और डिहाइड्रेट अमरूद जैसे उत्पादों का प्रदर्शन एवं स्वाद चखने के साथ-साथ इनके निर्माण की तकनीक का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्यों से आने वाले विशेषज्ञ मूल्य संवर्धन पर मार्गदर्शन करेंगे।

इसके अतिरिक्त महोत्सव में देशभर की उन्नत किस्मों की नर्सरी उपलब्ध रहेगी, जहां किसान 25 से 30 किस्मों के गुणवत्तापूर्ण अमरूद पौधे खरीद सकेंगे। आयोजकों के अनुसार उन्नत किस्मों के प्रसार से अमरूद की उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और मिठास में वृद्धि होगी, जिससे किसानों की आय में इजाफा होगा। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल ने किसानों, व्यापारियों एवं आमजन से 18-19 जनवरी को आयोजित अमरूद महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

राजवीर महेश्वरी व अरमान अग्रवाल ने शेनझेन में स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया देश का मान

जयपुर (निसं)। जनवरी 2026: भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि में, राजवीर महेश्वरी और अरमान अग्रवाल ने वर्ल्ड इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड में अपने-अपने वर्ग में गोल्ड अवॉर्ड जीतकर देश का नाम रोशन किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 3 जनवरी 2026 को द चाइनीज़ यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, शेनझेन चीन में भौतिक रूप से आयोजित की गई थी। एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण गणित प्रतियोगिता माना जाता है, जिसमें विद्यार्थियों की ओलंपियाड-शैली की उन्नत समस्या-समाधान क्षमता परखी जाती है। इसमें तार्किक सोच, तेज़ गणना, सटीकता और अवधारणात्मक समझ से जुड़े कठिन प्रश्न शामिल होते हैं, जो छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस वर्ष की प्रतियोगिता में इंडोनेशिया, चीन, हांगकांग, वियतनाम, सिंगापुर सहित कई देशों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिससे मुकाबला अत्यंत चुनौतीपूर्ण

राजवीर महेश्वरी और अरमान अग्रवाल ने इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड में जीता गोल्ड अवॉर्ड

रहा। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में दोनों छात्रों द्वारा स्वर्ण सम्मान प्राप्त करना उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट गणितीय क्षमता का प्रमाण है। दोनों विद्यार्थियों ने भारत और अपने विद्यालय जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल का प्रतिनिधित्व किया। उनकी इस सफलता से न केवल उनके परिवार और विद्यालय में खुशी की लहर है, बल्कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

राजेन्द्र मोहन और सरोज शर्मा को मिला सम्मान: साहित्य मंडल, नाथद्वारा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह में जयपुर के साहित्यकार राजेन्द्र मोहन शर्मा को बाल साहित्य विभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान बाल साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए संस्था के द्वारा प्रदान किया गया है। इस अवसर पर उन्हें मती नर्बदादेवी अजमेरा स्मृति सम्मान के साथ मानद राशि और उपाधि-पत्र भेंट कर उनके साहित्यिक कार्यों की सराहना की गई। इसी के साथ इस साहित्यकार शर्मा की धर्मपत्नी मती सरोज शर्मा को प्रतिष्ठित साहित्य कुसुमाकर की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके अनुपम और विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

डमी परीक्षार्थी से परीक्षा दिलवाने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) नेकार्रवाई करते हुए डमी परीक्षार्थी के जरिए परीक्षा दिलवाने वाले फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी था। एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा 24 दिसंबर 2022 को विज्ञान विषय तथा 20 जनवरी 2023 को सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित की गई थी। इससे एक दिन पहले 23 दिसंबर 2022 की रात उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान एक बस से 37 अभ्यर्थियों, चार डमी परीक्षार्थियों सहित पेपर लीक गिरोह के अन्य सदस्यों को हल प्रश्न पत्रों के साथ गिरफ्तार किया गया था।

ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर कनिष्ठ लिपिक बना विकेश कुमार मान गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर कनिष्ठ लिपिक को गिरफ्तार किया है। जो पिछले काफी समय से फरार और निलम्बित चल रहा था। उसकी पत्नी ने भी ब्लूटूथ डिवाइस से परीक्षा पास कर लिपिक की नौकरी पाई थी। एसओजी की टीम फिलहाल गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर की ओर से कनिष्ठ लिपिक ग्रेड सेकंड के पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2022 निकली थी। मार्च-2023 में परीक्षा का आयोजन हुआ था। परीक्षा में पेपर लीक मामले को लेकर एसओजी पुलिस स्टेशन में साल-2025 में मामला दर्ज हुआ। एसओजी ने जांच कर मामले में आरोपी विकेश कुमार मान (29) निवासी लूणकरणसर बीकानेर को गिरफ्तार किया है। जिला एवं सेशन न्यायालय जालोर में वह कनिष्ठ लिपिक ग्रेड सेकंड के पद पर था। जो वर्तमान में निलम्बित चल रहा था। एसओजी के एग्जाम जांच का पता चलने पर वह फरार हो गया था। एसओजी जांच में सामने आया कि आरोपी विकेश कुमार मान का लिपिक ग्रेड-सेकंड का एग्जाम सेंटर बीकानेर के शहीद मेजर पूरण सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में आया था। संगठित नकल गिरोह के मास्टरमाइंड पौरव कालेर की ओर से मोबाइल के जरिए आरोपी विकेश कुमार मान को परीक्षा सेंटर में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए प्रश्न-पत्र के उत्तरों की नकल करवाई थी।

लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दें: उपमुख्यमंत्री

जयपुर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सड़क, पुल तथा भवन आदि के जो प्रस्ताव आगामी बजट के लिए तैयार किए जा रहे है उनमें संबंधित अधिकारी लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। उपमुख्यमंत्री

- **विकसित राजस्थान डॉक्युमेंट के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश**

दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए विभागीय तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट से पूर्व सभी प्रस्तावों पर गहन समीक्षा एवं आवश्यक अभ्यास

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

करें। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए अत्यंत आवश्यक तथा संबंधित क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाली सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें।

उन्होंने कहा कि आगामी बजट के लिए सड़कों, पुलों एवं भवनों से जुड़े कार्यों का चयन जनहित, क्षेत्रीय आवश्यकता, यातायात सुविधा एवं सुरक्षा तथा दीर्घकालीन उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए।

उन्होंने ऐसे प्रस्ताव तैयार करने पर जोर दिया जो विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप हो ताकि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सकें।

व्यावहारिक रूप से समय पर पूर्ण होने वाले प्रस्ताव तैयार करनें पर जोर: उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्ताव तकनीकी रूप से सुदृढ, वित्तीय रूप से व्यावहारिक एवं समयबद्ध क्रियान्वयन योग्य हों ताकि बजट स्वीकृति के पश्चात कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये की प्रस्तावित सड़क परियोजना वन क्षेत्र,रिहायशी क्षेत्र अथवा अन्य किसी कारण से लंबित एवं बाधित न हो।

लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को किया जागरूक

जयपुर(निसं)। राजस्थान एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय की चिरंजी लाल अग्रवाल

- **डॉ. ओपी टांक ने पाठशाला के बच्चों को किया प्रोत्साहित**

लाइब्रेरी के 13वें इंटर्नशिप के छात्रों द्वारा पाठशाला ट्रस्ट के कठपुतली नगर सेंटर में डॉ. ओपी टांक के नेतृत्व से कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें लाइब्रेरी इंटर्नशिप प्रोग्राम के छात्रों ने प्रोग्राम हेड ऋषि अग्रवाल, कॉर्डिनेटर एडवोकेट दीक्षा यादव एवं एडवोकेट रूपाली चौहान के नेतृत्व में पाठशाला के बच्चों को मौलिक अधिकार व कर्तव्यों से अवगत कराया। वहीं डॉ. ओपी टांक ने लाइब्रेरी इंटर्नशिप के स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट प्रदान कर प्रोत्साहित किया। साथ ही इन 15 इंटर्नस के साथ लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम करने के लिए सहमति दी।

National Winnie the Pooh Day

National Winnie the Pooh Day, celebrated on January 18, honours the beloved fictional bear created by A.A. Milne. This day marks both the birthday of Milne and his charming creation, bringing joy to fans of all ages. Winnie the Pooh, with his love for honey and gentle wisdom, has become a timeless symbol of friendship, kindness, and simple pleasures. On this day, fans celebrate by reading stories, watching adaptations, or sharing Pooh-themed activities with children. It's a reminder to cherish imagination, laughter, and the heartwarming lessons that this iconic bear continues to inspire across generations.

#WHAT WOMEN DON'T WANT?

Being Irrelevant, Lost And Unfound

Mira, Ma and Ashu are a close-knit family, having fun together. But beneath their apparent proximity and fun lurks another story

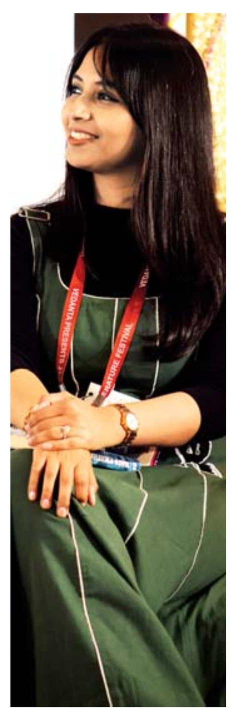

Abha Sharma

In India today, there are more divorces than ever but when it happens, the consequences are not the same for men and women. While divorce means a loss of space and identity to a woman, uncoupled man, however, continue to occupy the same space in society. Even women who choose to stay single face similar challenges as society quietly alienates them.

Three women novelists explored such aspects of modern life, relationships and contemporary womanhood at the session "What Women Don't Want" at the Jaipur Literature Festival on Saturday.

In a fully packed session, that included an impressive presence of men in the audience, Shunali Khullar Shroff, Bhavika Govil and Amrita Mahale engaged in a highly engrossing conversation with Poulomi Chatterjee, executive editor at Harper Collins India.

Talking about her incisive new novel The Wrong Way Home, Shunali said it was about a deeply flawed woman's spectacular journey. Her protagonist forty-year-old Nayantara grapples with divorce, ambition, and the seductive illusions of success in a society obsessed with reinvention.

"It is not so much about divorce, but the fact that once divorced, she loses a place in the world. Nayantara has to navigate in a society, which she discovers is meant for couples. She has no identity and her pride is hurt and to prove her identity to her own mother and her ex-husband, who has married an influencer half her age, that she works hard to establish herself by setting up a PR agency."

She tends to restitute an aging film star terrified of irrelevance, a politician in urgent need of image rescue and a socialite trying to reinvent herself. While doing their image makeover, she continues to grapple with her own inner conflict as to what really matters in a world obsessed with appearances. The Wrong Way Home gives voice to Nayantara's desperation post divorce and her restlessness to prove she is still relevant, she added.

Amrita Mahale talked about her novel Real Life, which is a Himalayan mystery where the disappearance of a young woman exposes buried desires, the realities of AI and surveillance, and the constant battle between self and society.

In the remote Mahamaya Valley in the Himalayas, wildlife biologist Tara has vanished. Hunting for answers, Tara's best friend Mansi sets out to retrace her whereabouts in the days before her disappearance. Rendered in exquisite prose, Real Life is a gripping mystery that transforms into a masterful exploration of love and loss, visibility and erasure, AI and surveillance and the never-ending tussle between individual desires and societal demands.

"It is a novel about how women disappear from both the world and within the world", she said.

Bhavika Govil shared about the quiet disquiet of domestic life, where a mother and her children negotiate love, absence, and the weight of unspoken expectations in her novel Hot Water.

She said the story is about three members Mira, Ma and Ashu who are a close-knit family, having fun together. But beneath their apparent proximity and fun lurks another story-that of a family in hot water. All three have their own secrets and all of them confront questions that have no clear answers.

Bhavika has tried to portray family life that is both heartening and heart breaking. Her novel tries to trace the ways in which love, family members feel for each other, can both make and wreck them.

The three women novelists, who have depicted their women protagonists struggling to prove their relevance and different facets of contradictory feelings of love and ambition, right and wrong in their novels, emphatically talked about the key theme-What Women actually don't want?

"A woman in our country is given a script right from her childhood and she grows up happily embracing the label of goodness or expectations," said Shunali. It is not through choices. Emotional tolerance and subconscious beliefs are reinforced in big ways. Women are expected to conform to certain ways, she added.

There are women who are transitioning to a new life after divorce or choosing to stay single, they are often left out at family or social gatherings. Society very quietly excludes them.

"Women don't want extra scrutiny of their body nor do they want inappropriate pass by a known or unknown person. They don't want when an address like Aunty is used pejoratively. Women also face the burden of staying young. Just take this burden away, give us dignity," said the panelists.

What women don't want also leads them to actually know what they want. And fiction can be the most appropriate medium to convey women's unheard voices.

One of the book's most striking themes is the disconnect between mind and body. His limbs refuse to respond, but his brain remains acutely alive. Thought continues relentlessly, producing memories, irritations, desires, and anxieties that have nowhere to go. The mouth still works. Language survives-spoken, dictated, passed through others' hands into text.

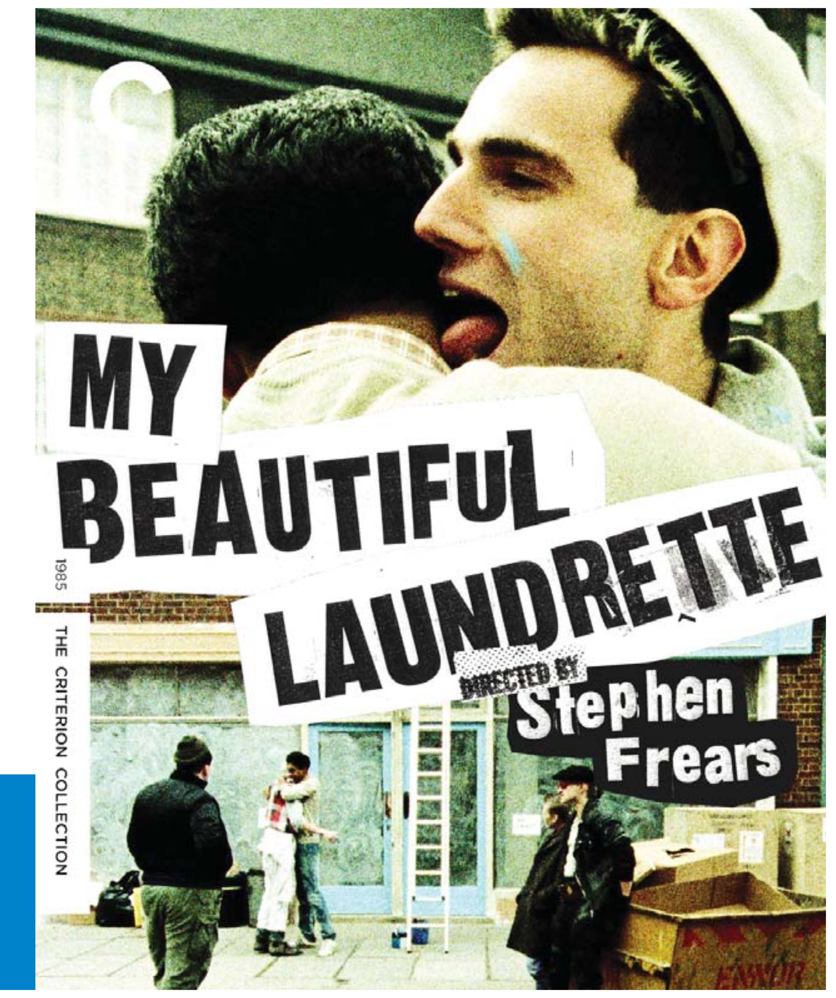

A Man With An Active Mind

#HANIF KUREISHI

● Asif Ullah Khan

I met the British writer Hanif Kureishi quite by chance on the way to the Jaipur Literature Festival entrance at Diggi Palace. I recognized him immediately and stopped him for a photograph, then struck up a brief conversation. When I asked when he was speaking, he told me he was appearing in a session with V. S. Naipaul. I reacted instinctively and unguardedly, muttering, "That fossil," with some disdain-reflecting my own discomfort with Naipaul's later political positions in India and his perceived proximity to Hindu nationalist narratives in the aftermath of the Babri Masjid demolition. Hanif said nothing. He simply walked on.

Only later did I learn that Hanif was, in fact, in awe of Naipaul, and had even written a book-length study of him, The Last Word. The moment stayed with me not because of my own remark-which I would phrase differently today-but because it revealed something about Hanif: his ability to hold admiration and disagreement in tension, and his refusal to perform outrage for effect. Silence, in that instance, was a form of discretion.

I was never particularly interested in attending his session. What drew me to Hanif was not the festival spectacle but the personal history that ran through his work. His accounts of growing up as a mixed-race Asian child in Britain during the peak of everyday racism had long fascinated me. Hanif has spoken openly about how a teacher once told him, without irony, "You Paki bastard, you write so well." Praise and abuse arrived in the same sentence, inseparable.

Writing, especially the kind Hanif pursued, seemed neither safe nor respectable. That tension-between parental expectation and individual desire-would become one of the defining currents of his work.

What made me follow Hanif closely, however, was 'My Beautiful Laundrette', the first film he wrote, set against the backdrop of Thatcher-era Britain. The film was groundbreaking in its portrayal of British Pakistani families navigating racism, ambition, and money in 1980s London. It refused easy moral positions, showing immigrants not as passive victims but as complex, sometimes compromised actors within a brutal economic system.

What truly shocked audiences-and particularly the British-Pakistani community-was the film's central gay relationship between a British Pakistani boy and a white former skinhead. At a time when homosexuality itself was still taboo in many communities, the idea of an interracial gay romance involving a Pakistani protagonist was explosive. For many within the community, the film was seen not as representation but as betrayal.

Hanif did not retreat. He never has. That refusal to flatter any audience-white, brown, liberal, or conservative-has been the most consistent feature of his career. He wrote from the fault lines, not the comfort zones.

The backlash was not confined to public debate. It entered Hanif's own family with remarkable ferocity. One aunt was so furious at 'My Beautiful Laundrette' that she wrote to his father, accusing him of having raised a son who had brought shame upon the family name. Hanif, relishing the outrage and already fashioning himself as a literary bad boy, responded with characteristic provocation. In his second film, 'Sammy and Rosie Get Laid', he named a lesbian character after that very aunt-a gesture that was less apology than defiance.

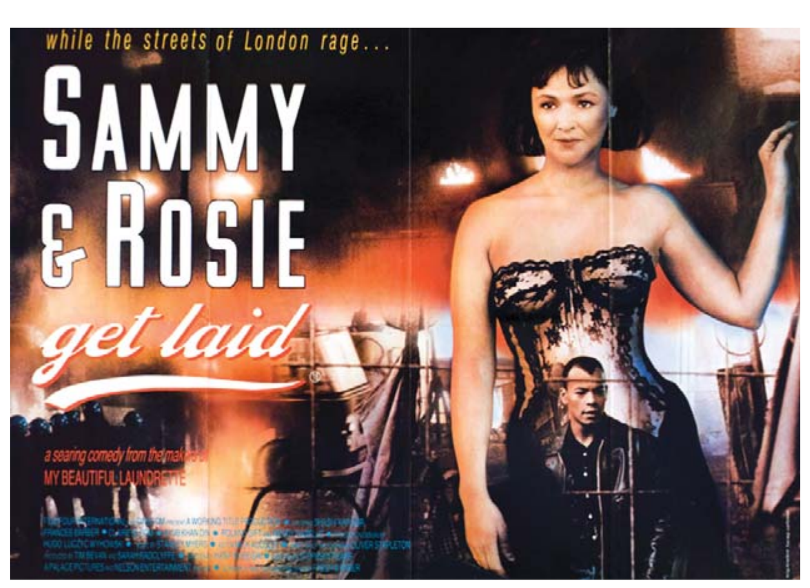

If this seemed incendiary, The Buddha of Suburbia proved explosive. Published in 1990, the novel-his first and most overtly semi-autobiographical work-took his rebellious streak further and landed on his family like a missile. The book's irreverent portrayal of an immigrant father and a sexually adventurous son felt, to those close to him, like an unforgivable exposure. His father accused him of stripping him of dignity. His sister wrote publicly in The Guardian, suggesting that Hanif was pursuing fame at the expense of family loyalty.

After that, there was no looking back. Hanif did not retreat, revise, or reconcile his work to familial approval. He moved forward, faster and more assuredly, into a career defined by confrontation rather than conciliation. By the early 1990s, he had emerged-perhaps second only to Salman Rushdie-as one of the most significant British writers of Asian origin, a figure who had irrevocably altered the landscape of British literature and cinema by insisting that immigrant lives could be messy, erotic, contradictory, and politically unsettling.

But that rebellious momentum was abruptly broken (literally) by tragedy on December 26, 2022. While on holiday in Italy that day, Hanif collapsed suddenly while walking, falling heavily and grotesquely twisting his neck. He lay in a pool of blood until three anonymous policemen came to his aid and rushed him to hospital. The spinal injuries were catastrophic. When he regained consciousness, he found himself tetraplegic-paralyzed in all four limbs, unable to walk, write, or feed himself.

In his first international broadcast interview after the accident, speaking to the BBC World Service's Newshour, Hanif described the moment he believed he was dying. "I saw Death; Death was chattering to me," he said. He asked to video-call his children to say goodbye. It was his partner, Isabella D'Amico, who persuaded him not to-to remain present, to imagine life continuing in some altered form.

Today Hanif finds himself in the condition of sculptor Ken Harrison (played by Richard Dreyfuss) in 'Whose Life Is It Anyway', as he can no longer hold the pen in his fingers, walk or feed himself. He says he was struggling to come to terms with the fact "I can't walk up the front path of my house, open the door, and step back into my old life - lie down on my sofa, with a glass of wine and the Premier League. It seems unbelievably cruel that I cannot do such a simple thing."

And yet, unlike the fictional Harrison, Hanif has not relinquished his will to live. Doctors have told him that recovery is possible, but it will be long, slow, and uncertain. Progress is incremental and fragile. Days are now structured around physiotherapy and medical procedures. Privacy has disappeared. Dependency is total.

This more than year-long struggle is documented in 'Shattered'. The book offers no redemptive arc and no sentimental uplift. Its title is precise. What Hanif records is fragmentation-of the body, of time, of certainty. Days blur into routines; nights stretch interminably. Improvement, when it comes, is minimal and reversible. 'Shattered' is not a narrative of recovery but an anatomy of endurance.

One of the book's most striking themes is the disconnect between mind and body. His limbs refuse to respond, but his brain remains acutely alive. Thought continues relentlessly, producing memories, irritations, desires, and anxieties that have nowhere to go. The mouth still works. Language survives-spoken, dictated, passed through others' hands into text.

Writing, in this context, becomes more than expression. It becomes survival. Hanif has been frank about the financial reality of long-term illness and care. The costs are immense, and there is little institutional protection for writers. His Substack essays-dictated sentence by sentence-are not simply creative acts but economic necessities. In one of these pieces, Hanif reflects on his father, who named him after the legendary Pakistani cricketer Hanif Mohammad, hoping his son might one day become the first Pakistani to play for England. Terrified of the cricket ball, Hanif disappointed those dreams early. "I hate cricket now," he writes, "and can barely stand to watch it." The irony extends into the next generation: one of his sons is named Sachin-whether after Sachin Tendulkar or as a private joke remains unclear.

These reflections echo longstanding themes in Hanif's work: fathers and sons, inheritance and rebellion, expectation and refusal. He has often described growing up in what he calls an almost Dickensian emotional climate, where children were rarely praised and affection was withheld.

Now, in an unexpected reversal, encouragement arrives daily. Readers write to tell him how much his writing means to them and how his refusal to sanitize suffering offers comfort. "I am grateful for the encouragement," he admits. "I need the appreciation, and it certainly cheers me up."

There is something quietly devastating in that admission. The writer who once dissected masculinity, power, and success with ruthless clarity now openly acknowledges his need for affirmation.

Across decades-through 'My Beautiful Laundrette', 'The Buddha of Suburbia', his essays, novels, and screenplays-Hanif has written from the margins, interrogating who belongs, who speaks, and who is allowed comfort. Today, he inhabits a new margin: that of the disabled body.

This latest chapter does not feel like a rupture so much as a continuation. Once again, Hanif is examining powerlessness, dependency, and identity-not as abstract themes, but as lived reality. The accident has taken much. What it has not taken is his voice.

In February 2012, Hanif had written an essay 'The Art of Distraction' in The New York Times. Today, Hanif finds himself in a position where the "art of distraction" he once championed has become a vital tool for his very survival.

When Hanif wrote about the fertile unconscious in 2012, he argued that the mind needed to wander to find "unexpected connections." Now, as he lies in a hospital bed or a specialized chair, that wandering mind is no longer just a way to find a plot point-it is a way to escape the physical prison of his body.

He has described how his mind "travels" while his body remains still. By engaging in the "art of distraction"-listening to music, dictating his thoughts, or letting his memories drift back to 1970s London-he creates the very "space" he once suggested was necessary for the soul to work.

When I think back to that encounter at the Jaipur Literature Festival, what remains is the sense of a mind always in motion. That vitality has not disappeared. It has been compressed, redirected, sharpened by necessity.

Hanif is still here. His limbs may not move, but his brain and mouth do. He continues to write-to think, to argue, to survive.

And that, in itself, is a form of literature.

rajeshsharma1049@gmail.com

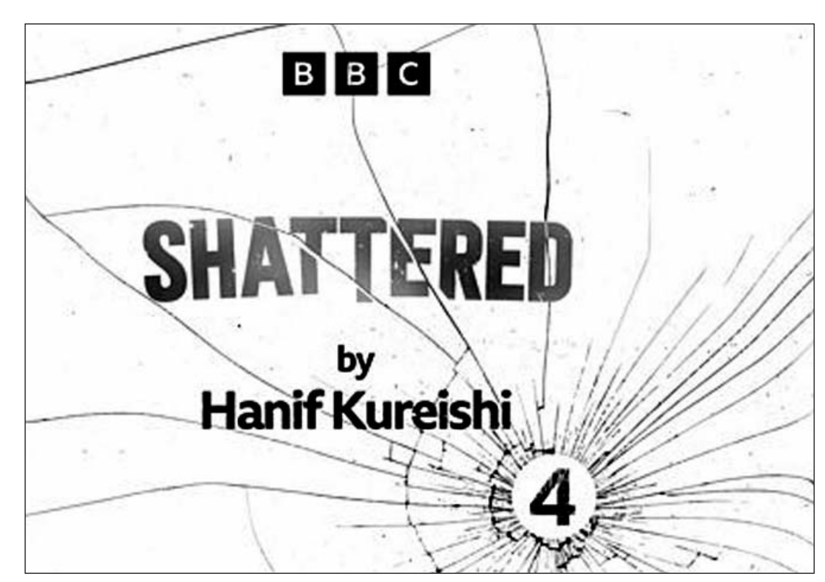

#WHAT IS FREE SPEECH?

Important And Regularly Lying!!!

...So, the overarching idea was that freedom of speech is good, liberty of speech is good but licentiousness of the press, which means 'bad, abusive liberty,' is bad

Rakhee Roytalukdar

In 2016, Donald Trump, US presidential candidate then, during one of the primaries debate in South Carolina, had called the Iraq War a "big fat mistake" and had bluntly accused George W. Bush of lying about Iraqi weapons of mass destruction to fool Americans into supporting the war in Iraq. "Obviously, the war in Iraq was a big, fat mistake, all right?" Trump had thundered. He added "George Bush made the mistake. We can make mistakes, but that one was a beauty."

This incident was recalled by Oscar Guardiola-Rivera, author of the critically acclaimed, 'What if Latin America Ruled the World,' and teacher of International Law and International Affairs at Birkbeck College, University of London, during a conversation with Fara Dabhoiwala, author of 'What is Free Speech? The History of a Dangerous Idea' and a historian at Princeton at an engaging session on the third day of the Jaipur Literature Festival.

Oscar touched upon the Jan 3 presser of Trump where he announced the capture of Venezuelan leader Nicolas Maduro. And emphasised that politicians regularly lie as Trump did on Jan 3 and "knowing fully well that they are lying and they no longer care." Oscar was intrigued as to how we came to this situation.

Civilians doubt free speech

The authors noted that most civilisations considered free speech as a dangerous idea. Dabhoiwala said there are many older, classical, ancient ideas about free speeches for religious purposes, for scholars, for artists but the modern idea on free speech is taken for granted-- that citizens have a right to speak out on matters of public affairs.

Consequence without action

According to the author, speech isn't action but it has consequences in the world. If the consequences are fleeting, they are fine but sometimes they can be really serious. "Two harms can be caused by free speech, the first is the harm of lies and that is something we see reflected throughout history like misinformation, conspiracy theories are rife throughout history and this is how violence spreads, this is how programs result against people who are abused. So, speeches can be dangerous, can cause disorder in politics. He said riots, revolutions ultimately come down to words. Free speech throughout history has been incoherent and has never been ideal."

About the idea of religious free speech, Dabhoiwala said after the Reformation movement, which elevated the importance of conscience and what is right and wrong, the idea of religious free speech has always been controversial and very extremist, but at the end of 17th Century, it had become a mainstream idea. This kind of free speech was sharply distinctive from normal speech. There was this belief that one couldn't talk about politics in the garb of spiritual free speech. He talked about two important revolutionary rethinks around the 1700s in England, similar to what is happening now. The first was the explosion of party politics, the first age of political parties who were battling for public opinion, they were appealing to the people, were speaking for the people, they were then abusing language and lying to them amidst censorship and that also led to emergence of new forms of media. And people became addicted to new forms of partisan news. And they started to celebrate the liberty of the press. But it also made the age of lies, misinformation, political corruption worse because the media then was not driven by public duty but they were partisan, out to make money and politicians were buying up newspapers and making them switching sides, bribing journalists.

So, the overarching idea was that freedom of speech is good, liberty of speech is good but licentiousness of the press, which means 'bad, abusive liberty,' is bad. But this idea was never objectively possible to agree on and it was always in the eyes of the beholder. He emphasised that politicians in the Opposition are always standing for the liberty of the press and freedom of expression but the moment they come into power, they suppress everything as being licentious and dangerous and cannot be allowed. So, it is a very unsatisfactory model but it remains the essential starting point for most hankering for free speech.

He also touched upon British philosopher and staunch defender of liberty, James Stuart Mill's thoughts on liberty for India, which he rejected outright in British Parliament, saying it cannot be implemented in India, practically telling the Indians to shut up, playing out the hypocrisy. He also emphasised that it was particularly interesting because India had an incredibly sophisticated political culture before the English arrived because of very powerful oral traditions, especially in Bengal.

He also stressed that one can't think about freedom of speech without linking it with power. The first thing is that within any society, certain people have greater power. Their voices carry greater authority.

He said in deeply hierarchical premodern societies, people at the top were more important to people at the bottom, so, the speech of rulers was more important than the speech of servants, and this was heavily gendered as well. The same is true of our own society in various ways. The voices of the less powerful are harder to hear. The second issue is the power of amplification-and these issues are related, but not the same. So, who owns the newspapers, and whose voices do they amplify and whose do they silence? The earliest attempts to grapple with this are made by the early socialists and then the Marxists and then Communists.

THE WALL

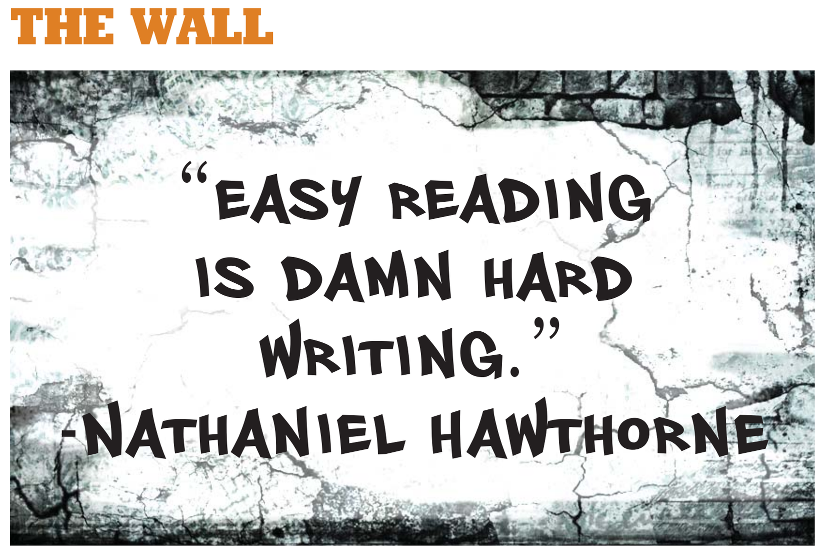

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

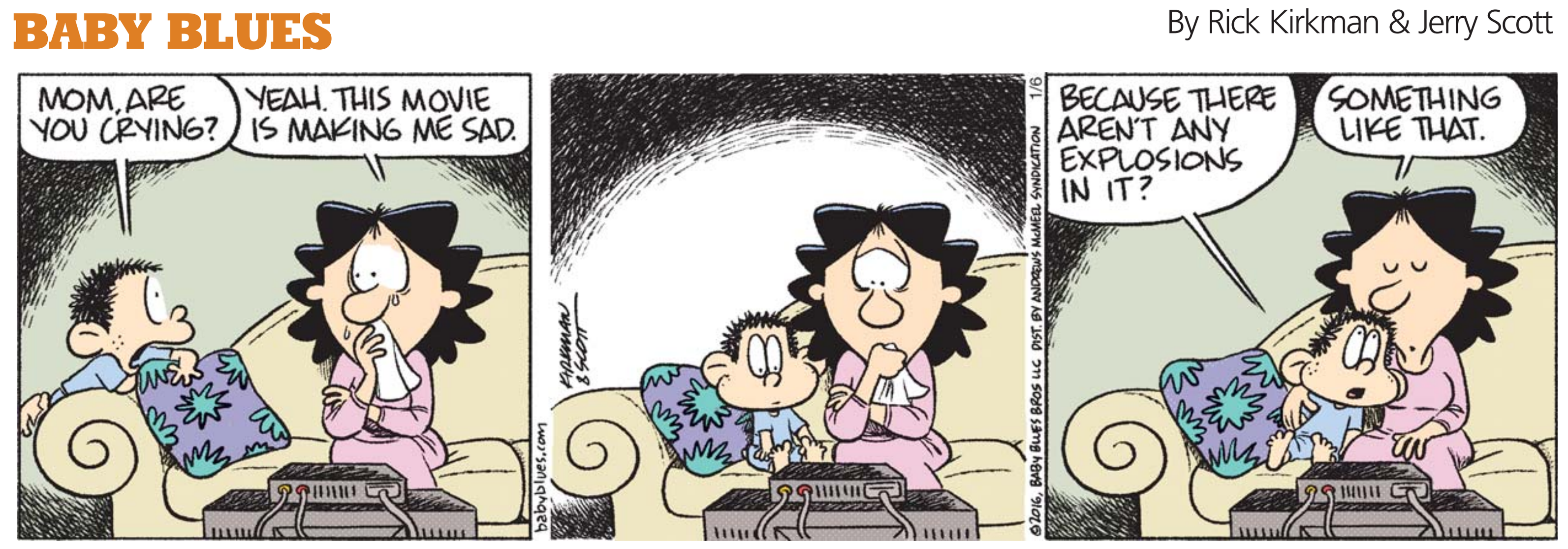

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

एसडीएम गरीबों को हक नहीं दिला पाए तो मैं जनवरी का वेतन नहीं लूंगा : कलैक्टर हसीजा

हर गरीब को खाद्य सुरक्षा का गेंहू इसी माह मिले, बुजुर्गों-एकल नारियों की पेंशन न रुके, यह हमारा ध्येय : जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा

राजसमंद, (निसं)। प्रशासनिक हल्के में जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा का एक प्रण चर्चा का विषय बना हुआ है। सुशासन का संदेश देते हुए गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका हक दिलाने के लिए जिला कलैक्टर ने स्पष्ट शब्दों में सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण इसी माह अनिवार्य रूप से किया जाए। निरंतर सभी विकास अधिकारियों, तहसीलदार के माध्यम से समीक्षा की जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे।

- **जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके अधिकार नहीं दिला पाए तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे**
- **मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है**
- **मुख्य सचिव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है**

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि जिन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका पालनहार सत्यापन 28 जनवरी तक हर हाल में पूरा हो। जो वृद्ध, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन के लिए तरस रहे हैं, उनका सत्यापन इसी माह हो और जो गरीब परिवार गेहूं के इंतजार में हैं, उन्हें एनएफएसए का लाभ इसी माह मिलना चाहिए। जिला कलैक्टर ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय प्रेरणा, उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन के माध्यम से परिणाम लाने का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके ये अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे।

अपने प्रण को व्यवहार में उतारते हुए जिला कलैक्टर ने कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को निर्देश दिए कि उनका (कलैक्टर का) जनवरी माह का वेतन बिल तब तक नहीं बनाया जाए, जब तक सभी एसडीएम शत प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर देते।

जिला कलैक्टर के इस संकल्प के बाद शनिवार के अवकाश के दिन भी जिले के सभी उपखंड अधिकारी और प्रशासनिक अमला पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण में जुट गया। इससे यह उम्मीद जगी है कि इसी माह इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूरे होंगे और पात्र गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

यह पहल एक ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार अधिकारी का उदाहरण है, जो अपने पद को नहीं, अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। राजसमंद में जिला कलैक्टर का यह प्रण प्रशासनिक सेवा में जनकल्याण और नैतिक नेतृत्व की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है। उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि मुख्य सचिव की सहृदयता से हूँ अभिभूत, लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे।

छीपाबड़ौद में आठ लाख का 93 किलो डोडा-चूरा जब्त

छीपाबड़ौद, (निसं)। पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आठ लाख की कीमत का 93 किलो मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया गया।

जब्त अफीम डोडा-चूरा को थाने में रखवाया।

पुलिस अधीक्षक बारा अभिषेक अदाशु ने बताया कि जिले में अवैध शराब बिक्री, हथियार एवं मादक पदार्थों की रोकथाम के लिये चलाए जा रहे अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के निकटतम सुपरविज्ञान में ताराचन्द वृताधिकारी वृत्त छाबड़ा के निर्देशन में थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक मय जाब्ता के दीगोद खालसा पहुंचा, जहां पर मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम लाम्बाखेडा निवासी सोनू लोधा तस्करी का काम करता है, जिसने अपने मकान के पास के बाड़े में चारे में कोई संदिग्ध वस्तु छुपा रखी है, जिसमें कोई अवैध वस्तु हो सकती है। मुखबीर की सूचना विश्वसनीय होने से सूचना से हमराही जाब्ता को अवगत करवाकर थानाधिकारी मय जाब्ता रवाना होकर सोनू लोधा के घर के पास पहुंचा सोनू घर पर मौजूद नहीं मिला।

उसके बाद सोनू लोधा के मकान के पास के बाड़े से पहुंचा जहां पर मक्का की कड़ब पड़ी हुई है, कड़ब के नीचे सफेद कट्टे रखे हुये दिखाई दिये, इसके बाद मन थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक ने उक्त स्थान की तलाशी ली तो मक्का की कड़ब में छिपे हुए कुल सात प्लास्टिक के कट्टे किसी संदिग्ध वस्तु से भरे हुए मिले, जिनके मुँह सिले हुए थे, जिनका मुंह खोलकर देखा तो प्रत्येक कट्टे में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। सात प्लास्टिक के कट्टो को कब्जे में लेकर डोडा-चूरा का तोल किया अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा का वजन मय बारदाना के 93.130 किलोग्राम हुआ, जिसे जब्त किया गया।

प्रदेश में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल पदों पर पदोन्नति से जुड़े मामलों में अहम आदेश दिया है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने साफ किया कि पदोन्नति के बाद प्रस्तावित तबादले-पोस्टिंग फिलहाल अगले आदेश तक स्थगित रहेंगे। यह आदेश वरिष्ठता सूची को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया गया। कोर्ट ने कहा कि ये मामले वर्ष 2023 से लंबित हैं और बार-बार स्थगन मांगे जा रहे हैं। इस बीच विभाग ने पदोन्नत अधिकारियों से वरिष्ठता सूची के आधार पर विकल्प लेकर तबादले करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, जबकि वही वरिष्ठता सूची अदालत में चुनौती के दायरे में है। ऐसे में संतुलन बनाए रखने और बार-बार तबादलों से

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी**
- **आदेश वरिष्ठता सूची को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया गया**
- **सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी तय की**

उत्पन्न असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी है। हाईकोर्ट ने यह भी याद दिलाया कि पहले जारी अंतरिम आदेशों (10 फरवरी 2025 और 8 अगस्त 2025) में स्पष्ट किया गया था कि सभी पदोन्नतियां और पोस्टिंग अंतिम फैसले के अधीन रहेंगी।

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रिव्यू डीपीसी/डीपीसी की पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके बाद कोर्ट ने स्पष्ट किया कि काउंसलिंग के आधार पर प्रस्तावित तबादले अगली सुनवाई तक लागू नहीं होंगे। राज्य सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी 2026 तय की है।

राजस्थान में 25 हजार से ज्यादा शिक्षा अधिकारी हैं, जिनके प्रमोशन पर इस आदेश का सीधा असर पड़ेगा। इस आदेश के बाद प्रदेशभर में हो रही प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की काउंसलिंग पर एक बार रोक लग जाएगी। अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई के बाद ही शिक्षा विभाग प्रमोशन और पोस्टिंग कर सकेंगे। इस आदेश से पिछले दिनों हुए तबादलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग में अलग अलग विषयों के टीचर्स को प्रिंसिपल के रूप में प्रमोशन मिलता है। इससे प्रमोशन की वरिष्ठता पर असर पड़ता है। इसी कारण बड़ी संख्या में टीचर्स ने हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। टीचर्स का कहना है कि एक साथ सभी विषयों का प्रमोशन नहीं होने के कारण वरिष्ठता प्रभावित होती है। ऐसे में हाईकोर्ट ने 9 याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

विद्युत विभाग के ठेकाकर्मी की मौत, परिजनों व ग्रामीणों ने धरना दिया

मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख एवं एक जने को संविदा पर नौकरी देने की मांग की

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण इलाके के बपावर कलां इलाके में विद्युत विभाग में ठेके पर कार्यरत ठेकाकर्मी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की मौत के बाद स्थानीय ग्रामीणों व परिजनों ने बपावर कलां इलाके में स्थित विद्युत कार्यलय के बाहर मृतक के शव को रखकर धरना दिया एवं प्रदर्शन कर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख एवं एक जने को संविदा पर नौकरी देने की मांग की।

- **विद्युत विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत का मामला**
- **पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाइश पर मामला शांत हुआ**

विद्युत विभाग कार्यालय के बाहर हंगामे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची बाद में सांगोद तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन व धरना देकर बैठे लोगों से समझाइश की, काफी समझाइश के बाद कुछ मांगों पर सहमति बनने के बाद धरने को समाप्त किया गया। जानकारी के अनुसार हेमंत कुमार सुमन बिजली विभाग में ठेके पर एफआरटी में काम करता था। चार जनवरी को थाने के सामने वाले पॉल पर चढ़कर फॉल्ट को सही कर रहा था, उसी समय अचानक से लाईट की सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे पोल पर चढ़कर काम कर रहा हेमंत झुलस गया और वह खंभे से नीचे गिरकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बिजली विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी हेमंत कुमार सुमन कुछ दिन पूर्व काम के दौरान करंट लगने से झुलस गया था, जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। ग्रामीणों व परिजनों ने आर्थिक मदद सहित अन्य मांगों को लेकर बपावर कलां में विद्युत कार्यलय के बाहर धरना दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाईश कर मांगों पर कुछ सहमति बनने के बाद मामला शांत हुआ।

हथियारों के पुर्जे व विस्फोटक सामग्री रखने वाला आरोपी गिरफ्तार

भारी मात्रा में बारूद और हथियार बरामद

देवली, (निसं)। जिले की डीएसटी और देवली पुलिस ने देवली स्थित पटवा बाजार में अवैध हथियारों के पुर्जे और विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

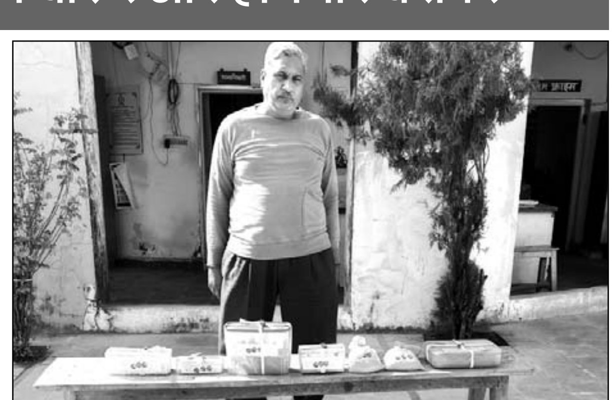

पुलिस ने विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार देवली शहर के पटवा बाजार निवासी राजू लुहार पुत्र नारायण लुहार के चाकू छुरियों को धार करने वाले कारखाने पर डीएसटी और देवली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापा मारा है। इस दौरान टोंक डीएसटी और देवली पुलिस ने यहां पाया कि आरोपी राजू लुहार के कारखाने पर अवैध तरीके से आग्नेयास्त्रों की मरम्मत और विस्फोटक पदार्थों और सामग्री की बिक्री खुलेआम की जा रही थी। संयुक्त कार्रवाई मे तलाशी के दौरान पुलिस ने दुकान से 21 किलो 670 ग्राम विस्फोटक बारूद, 6 लोहे की तलवारें और 3 लाख 3 हजार 470 रुपये की नकदी बरामद की है। इसके अलावा भारी मात्रा में आग्नेयास्त्रों के पुर्जे भी पुलिस को कार्रवाई के दौरान मिले हैं। पुलिस ने पाया कि कारखाने पर बंदूक के लोहे के घोड़े, मक्खी (एकनाली, दोनाली), बन्दूकों की 860 टोपियां, 34 लोहे की प्लेटें शामिल हैं। पुलिस ने मौके से अवैध हथियारों के काम में प्रयुक्त होने वाले औजार भी जब्त किए हैं।

देवली थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर ने बताया कि कारखाने के मलिक आरोपी राजू लुहार ने इन सामग्रियों के संबंध में कोई वैध लाइसेंस पेश नहीं कर सका, जिसके बाद उस गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब इस मामले में आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है कि आरोपी राजू लुहार के द्वारा आखिरकार इतना बारूद और हथियार और बन्दूकों के पुर्जे के कहाँ किसे सप्लाई किए जाने थे।

पारिवारिक विवाद में युवक ने सुसाईड किया

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते घर में युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक की पत्नी विवाद की शिकायत करने को लेकर थाने पहुंची तो पीछे से पति ने फांसी का फंदा लगा लिया। नयापुरा थानाधिकरी विनोद कुमार ने बताया कि इलाके के बृजराज कॉलोनी निवासी महावीर सिंह राजावत की पत्नी पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार को पति की शिकायत करने थाने आई, जिस पर पुलिसकर्मियों को महिला के घर भेजा गया, तो महावीर सिंह राजावत (32) फांसी के फंदे पर लटका हुआ था, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक मोबाइल ऑपरेटिंग कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर था, किसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

चार माह से फरार चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निस)। रामसागड़ा थाना पुलिस ने 4 महीने से फरार एक शातिर चोरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद से अपना नाम और ठिकाना बदलकर राजस्थान और गुजरात में भागता फिर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर चोरी का माल भी बरामद कर लिया है।

रामसागड़ा थानाधिकारी ने बताया कि गिरीश पुत्र प्रेमजी रोत निवासी रातापानी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि 12 से 19 सितंबर के बीच उसके घर में चोरी की वारदात हुई। घर से सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी किरीट पुत्र शांतिलाल खराडी निवासी नवाघरा गैंजी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली है। वहींजेवर भी जब्त कर लिए हैं।

12 साल पुराने मामले में तस्कर को दो साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्ष का कठोर कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

राजस्थान सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 25 अप्रेल 2014 को पुलिस थाना डांगियावास के तत्कालीन थानाधिकारी हरजीराम अपने पुलिस जाब्ता के साथ वाहन चैकिंग के लिए जा रहे थे तो कोकुंडा गांव के पास पुलिस को देखकर एक मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर जा रहे हमीरराम ने अपनी जेब से निकालकर अफीम की थैली नीचे फेंक दी। पुलिस ने उस 100 ग्राम अफीम की थैली को बरामद कर मोटरसाइकिल चालक शिवलाल और पीछे बैठे हमीरराम को गिरफ्तार किया तथा बाद अनुसंधान आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की जबकि आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत कुल 9 गवाह, 29 दस्तावेजी साक्ष्य और 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त हमीरराम पुत्र लाभूराम जाट निवासी सूरपुरा कला पुलिस थाना कड़वड़, जोधपुर को दोषी ठहराते हुए 2 सजा सुनाई।

फर्जी अधिकारी बन घूम रहा युवक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में आर्मी की ड्रेस पहनकर अपने आपको आर्मी का अधिकारी बताने वाले फर्जी सेना अधिकारी बनकर घूम रहे युवक को आर्मी इन्टेलिजेन्स टीम ने शक के आधार पर पकड़कर नयापुरा पुलिस को सौंपा। आर्मी इंटेलिजेंस सीआईडी इंटेलिजेंस व पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही को अंजाम दिया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि नयापुरा इलाके के नेहरू गार्डन के पास आर्मी इन्टेलिजेन्टस टीम ने आर्मी की वर्दी में घूम रहे और अपने आपको आर्मी का अधिकारी बता रहे संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन किया। शहर एसपी ने बताया कि उक्त व्यक्ति से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई। गिरफ्तार आरोपी बेरोजगार युवकों को सेना में भर्ती कराने के नाम पर रूपये ठगने का काम करता था। आरोपी से पूछताछ जारी है। पकड़ा गया आरोपी जिला रतलाम के ग्राम जडवासा निवासी महेश गिर (22) है जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया। मामले में पकड़े गये आरोपी को अतिरिक्त जिला कलैक्टर के समक्ष पेश किया गया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने आरोप लगाये

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्कूल की दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम हमारे हिसाब से चलेगा। प्रैक्टिकल नहीं दिया तो भविष्य खराब हो जाएगा। टीसी कटवा कर ले जाने की धमकी भी दी।

- **पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था**
- **परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी**

मामले को लेकर प्रिंसिपल कमलेश कटारिया ने बताया कि वो हमारी बच्ची, उसका जाना हमारे लिए भी दुखद है। स्कूल हर बच्चा हमारे लिए अपना है। 30 सालों से मैं यहां हूं ऐसी घटना कभी नहीं हुई। हमने उनको ऊपर अलाउ भी किया था। बायोलॉजी का प्रैक्टिकल था, सरकारी एग्जामिनर आए थे। पूरे टाइम उसकी मदर और भाई बैठे रहे। शीशे के दरवाजे से वो बाहर बैठकर देख भी रहे थे। एग्जामिनर ने भी कहा था कि बच्ची एकदम ठीक है। पैरेंट्स तीनों प्रैक्टिकल में साथ में रहे हैं। एग्जामिनर ने भी पूछा था कि बेटा तबीयत ख़राब तो नहीं है। तब बच्ची ने ऐसा कुछ नहीं बताया। वो बच्ची कैसे गिरी, क्या हुआ, मुझे कुछ पता नहीं है। मैं पहुंची तब तक उसे अस्पताल ले जाया जा चुका था। हमारी तरफ से परिवार के लिए संवेदना है।

श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना एसएचओ ने कहा कि 12वीं मेडिकल साइंस की छात्रा रमनदीप के स्कूल के दूसरे फ्लोर से गिरने के मामले में जांच जारी है। परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी है। सीसीटीवी खंगाल रहे हैं।

छात्रा के पिता विजय कुमार ने शिकायत में बताया कि रमनदीप को ऊंचाई से डर लगता था और वह छत पर भी नहीं जाती थी। उसकी तबीयत कई दिनों से खराब चल रही थी। 8 जनवरी को हमने स्कूल स्टाफ से रिक्वेस्ट की थी कि छात्रा के प्रैक्टिकल के दौरान परिवार के किसी सदस्य को साथ रहने दिया जाए, लेकिन स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम आपके हिसाब से नहीं चलेगा। इसके बाद जबरन 11,960 रुपए फीस जमा करवाई गई, जिसमें से 4 हजार की रसीद भी नहीं दी गई।

विजय कुमार ने बताया कि 14 जनवरी को फिजिक्स का पेपर था। पत्नी देवकी साथ गईं, लेकिन रमनदीप को जबरदस्ती एग्जाम देने दूसरी मंजिल पर ले जाया गया, जहां वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे मुश्किल से नीचे लाया गया और दवाई दी गई। इसके बाद फिर से प्रैक्टिकल के लिए वापस ऊपर ले जाने की कोशिश की गई। जब हमने इसका विरोध किया तो प्रिंसिपल ने कहा कि प्रैक्टिकल नहीं दिया तो रिजल्ट खराब होगा, स्कूल की बदनामी होगी। टीसी कटवाकर घर ले जाओ। पिता ने बताया कि 16 जनवरी को फिर से बायोलॉजी प्रैक्टिकल के लिए फिर दबाव डाला गया। जिसके बाद रमनदीप को तबीयत खराब होने के बावजूद दूसरी मंजिल पर ले जाया गया। प्रैक्टिकल पूरा कर लैब से निकलते ही रमनदीप को चक्कर आया और वह सीढ़ियों बालकनी से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। जिसे पत्नी और भांजे ने देखा और शोर मचाया। रमनदीप को तुरंत अर्पण हॉस्पिटल लेकर जाया गया जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी है। इसमें स्कूल स्टाफ के खिलाफ मामला दर्ज करने की अपील की है। परिजनों का कहना है कि छात्रा की मौत स्कूल स्टाफ की लापरवाही और जिद के कारण हुई है। वे लगातार ऊपर ले जाने पर अड़े रहे, जबकि स्वास्थ्य खराब होने की बार-बार जानकारी दी गई थी। छात्रा का शव अभी सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में है। अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। स्कूल में कुल 3 फ्लोर है, दूसरे फ्लोर पर प्रैक्टिकल आयोजित हो रहे थे। लैब से निकलते ही रमनदीप हॉल में आ गिरी।

लॉरेंस गैंग का खास गुर्गा रितिक बॉक्सर अजमेर जेल से गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन, आमजन को डराने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस के खास गुर्गे रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार किया है। उसे अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

- **रितिक बॉक्सर को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से बीकानेर लाई पुलिस**

नयाशहर पुलिस थाने में 9 मार्च, 2023 को टैक्स, जीएसटी का काम करने वाले वकील को धमकाकर 4 लाख रुपए मांगने और 40,000 रुपए हासिल करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। फिरौती की रकम गैंगस्टर लॉरेंस के खास रितिक बॉक्सर के लिए मांगी गई थी। इस मामले की छानबीन में पुलिस सोशल मीडिया हथियारों के प्रदर्शन और गैंग से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली तो एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें रितिक बॉक्सर और नीरज यादव को नामजद किया गया। पुलिस ने नीरज को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था और रितिक वांछित था। मामले की जांच कर रहे गंगाशहर पुलिस थाने के एसएचओ परमेश्वर सुथार ने बताया कि रितिक को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर बीकानेर लाया गया। उसे कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कोर्ट में पेशी के दौरान क्यूआरटी के हथियारबंद जवान, सदर पुलिस थाने का जाब्ता मौजूद रहा। रितिक पर 20 से ज्यादा मुकदमे रितिक बॉक्सर हार्डकोर अपराधी है जो गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता रहा है। उस पर हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन जैसे गंभीर प्रवृत्ति के 20 से ज्यादा मुकदमे हैं। जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हरियाणा के पुलिस थानों में उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

गलत कमेंट करने पर केस दर्ज : जोधपुर में एक महिला कांस्टेबल की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाने का पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस ने अदालत से मिले इस्तगासे पर आईटी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस बारे में अग्रिम जांच में जुटी है। मंडोर पुलिस ने बताया कि एक महिला कांस्टेबल ने कोर्ट में इस्तगासे के जरिए केस दर्ज कराया है। इसका आरोप है कि किसी ने उसकी फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर मैसेज डाले है। मैसेज क्या थे और किस नंबर से आए थे इसका खुलासा रिपोर्ट में नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार महिला कांस्टेबल उदयपुर से यहां पर ट्रेनिंग करने आई थी, तब की घटना हो सकती है। फिलहाल इसमें अब पड़ताल की जा रही है।

‘एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क अलवर में विकसित किया जाएगा’

दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे : वन मंत्री संजय शर्मा

- अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा : वन मंत्री
- ‘केंद्र सरकार से मंजूरी मिली, अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा’
- ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे वन मंत्री

अलवर, (निसं)। दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे। अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा, जिसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को राज्य सरकार के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने अरावली की पहाड़ियों पर कार्यकर्ताओं के बीच दी। वे ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे थे।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित बायोलॉजिकल पार्क में देश-विदेश के कई दुर्लभ वन्यजीवों को लाया जाएगा, जिससे अलवर पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान बनाएगा। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि इस बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गुजरात के गिर क्षेत्र के बब्बर शेर, विभिन्न नस्लों के टाइगर सहित कई अन्य वन्यजीव देखने को मिलेंगे। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। इसी पहाड़ी पर कुछ दिन पहले कांग्रेस के नेता अरावली बचाने की मांग करते हुए चढ़े थे। उसके बाद अब वन मंत्री भी उसी पहाड़ी पर पहुंचे हैं। अरावली क्षेत्र को लेकर राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए वन मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता अरावली बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन खुद एक भी पौधा नहीं लगाते। हाल ही में कार्यकर्ताओं के साथ पहाड़ी पर चढ़कर सैकड़ों पौधे तोड़ने का आरोप भी लगाया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्हें पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पहले वर्ष में 7 करोड़ और दूसरे वर्ष में 11 करोड़ से अधिक पौधे जनसहयोग से लगाए जा चुके हैं, साथ ही उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वन मंत्री ने भरोसा दिलाया कि डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में आने वाले वर्षों में अलवर सहित पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन और पर्यटन विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट धरातल पर उतरेंगे।

अलवर शहर में कटी घाटी के बगल में बहुत पुराना प्रेम रत्नाकर बांध है। जिसमें 30 साल से अवैध निर्माण जारी है। यहां सैकड़ों मकान बन चुके हैं। बांध के घने भराव क्षेत्र में निर्माण नहीं हुआ है। प्रेम रत्नाकर बांध में हो रहे अवैध निर्माण पर सवाल किया तो वन मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि यहां कोर्ट के आदेश आए हुए हैं। उसके अनुसार ही पट्टे मिलेंगे। अभी संभवतया पट्टे नहीं मिले हैं, लेकिन हमने जल संरक्षण के लिए आसपास कई बड़े एनिकट बनाए हैं। सरकार लगातार जल संरक्षण पर ध्यान दे रही है। ताकि अलवर शहर के पानी के संकट को दूर किया जा सके।

सरिस्का में राजमाता की तरह नगर वन में टाइगर की प्रतिमा लगी है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जिसे देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान लोग टाइगर की प्रतिमा के पास खड़े होकर सेल्फी लेते हुए नजर आए।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में टहला में जमीनों की बंदरबांट की गई। बाद में धांधली पकड़ी गई तो कलेक्टर को हटा दिया गया था। जिससे कांग्रेस की मंशा का पता चलता है। अब यदि आवंटन खारिज करने के बाद जमीनों पर कब्जे होने लगे हैं तो उसकी जांच कराएंगे।

भवानीमंडी में अवैध रूप से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी पर छापा

- पुलिस ने लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है
- बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है, यह कारखाना पशुओं के बाड़े की आड में चल रहा था
- पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं एमडीएम जब्त की

भवानीमंडी, (निसं)। सर्किल के मिश्रोली थाना क्षेत्र में चल रही अवैध तरिके से ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस ने छापामार कार्यवाही कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बनाने की भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं व्यापक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम जप्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहनो को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थ एमडीएम के निर्माण कारखाना पर पुलिस ने कार्यवाही में लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है। बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है। यह कारखाना पशुओ के बाडे की आड में एमडीएम पावउर निर्माण का अवैध गोरखधंधा चल रहा था। यह कार्यवाही पुलिस थाना भवानीमंडी व मिश्रोली की संयुक्त टीमों ने की है। अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम. के निर्माण कारखाना में संलिप्त आरोपी गोपाल सिह, दिनेश सिंह, नरेन्द्र सिंह फरार है, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों पर 25000-25000 रूपये इनाम घोषित किया है।

हथियार बरामदगी मामले में दो कांस्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला डीएसटी पश्चिम ने कुड़ी स्थित सेक्टर 8 में शुक्रवार रात एक युवक से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस जब्त किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल सहित दो और युवकों को भी हिरासत में लिया गया। पिस्तौल सप्लाई में कांस्टेबल की भी संदिग्ध भूमिका आई है। पुलिस ने आज दो कांस्टेबल रामप्रकाश और भोमसिंह को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार प्रकरण में तीन लोग अब गिरफ्तार बताए गए है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात में कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इस सूचना पर डीएसटी पश्चिम को सक्रिय किया गया। एसआई महेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस ने तलाश के बाद केबीएचबी सेक्टर आठ के पास अर्शलान खिलजी को पकड़ा। तलाशी लेने पर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह भोमसिंह से यह पिस्तौल लाया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे भी हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ में पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल की भूमिका सामने आई। आरोप है कि पिस्टल दिलाने में कांस्टेबल ने मध्यस्थता की थी। इस पर कांस्टेबल को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आज दो कांस्टेबल भोमसिंह एवं लाइन में तैनात रामप्रकाश को पकड़ा गया है।

विदेशी महिला से छेड़छाड़, एक जने को पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने विदेशी महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले ऑटो चालक को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार शहर भ्रमण के लिए आई आस्ट्रेलिया निवासी युवती 15 जनवरी को ऑटो में बैठ कर घूमने के लिए निकली, जहां ऑटो चालक उसे ऑटो में बैठा बार में ले गया, जहां चालक शराब पीने के बाद अभद्रता करने लगा। इसको देख युवती ने मौके से भागकर थाने पहुंच पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी मय टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने बालु मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर परिवहन करने पर कार्यवाही करते हुये बालु मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नाजिम अली के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के निर्देशन में थानाधिकारी रणवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर शुक्रवार 16 जनवरी को रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को कागजात के अभाव में धारा 207 एमवी एक्ट में जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 16 जनवरी को हैड कानि. ओमप्रकाश ने मय जाब्ता अवैध खनन के विरूद्ध चैकिंग के दौरान रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को परिहवन करते हुये कागजात के अभाव में जब्त की, जिनके चालान न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे।

जोधपुर में मालाणी डेयरी समूह के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली

टीम को साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली, तीसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी

- विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है, समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव की छानबीन जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मालाणी डेयरी समूह पर तीसरे दिन शनिवार को भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। उत्तर प्रदेश से आई इन्वेस्टिगेशन विंग की टीमों ने इस ग्रुप के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली है।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में टीम को करीब पांच करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का करीब साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली है। विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है। इसके अलावा कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन की जा रही है। जोधपुर में व्यापारी घनश्याम सोनी की फर्म और घर में यूपी से आई आयकर विभाग की टीम तीन दिन से छानबीन कर रही है।

व्यवसायी घनश्याम सोनी और उनसे जुड़ी फर्मों पर 15 जनवरी से कार्रवाई की जा रही है। सोनी के शास्त्री नगर, मंडोर मंडी, बोरानाडा, न्यू पॉवर हाउस रोड और भीतरी शहर स्थित मकान सहित 5 ठिकानों पर रेड शुरू हुई थी। तीन दिन से घर और दफ्तर पुलिस छावनी बने हुए हैं और किसी को भी बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

छापेमारी के दौरान आयकर अधिकारियों का पूरा फोकस अब इलेक्ट्रॉनिक सबूतों पर है। इसके लिए विभाग की टीमें समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन कर रही है। इसके अलावा मालाणी समूह के मालिक सोनी परिवार के बैंक खातों और बैंक लॉकर्स के बारे में भी पड़ताल कर रही है।

आशंका है कि टैक्स चोरी के लिए कच्ची पर्चियों का हिसाब कंप्यूटर में कोड वर्ड या अलग फोल्डर में रखा गया होगा। विभाग के एक्सपर्ट्स इन डिवाइसेज की क्लोनिंग कर रहे हैं और डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने का प्रयास कर रहे हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि कानपुर और देश के कई अन्य राज्यों में की गई बटर की सप्लाई में कितनी बोगस बिलिंग हुई है। मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है।

मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है। समूह के संबंध में ऑनलाइन उपलब्ध कंपनी डेटा के अनुसार, मालाणी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में घनश्याम सोनी के अलावा सुनीता सोनी, विनोद सोनी और विवेक सोनी शामिल है। विभिन्न बिजनेस लिस्टिंग प्लेटफॉर्म पर कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है, जो इसके बड़े पैमाने के कारोबार को दर्शाता है। कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस गुलाब सागर क्षेत्र में है, जबकि गोदाम और कामकाज मंडोर मंडी और बासनी/बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्रों से संचालित होता है।

10 लाख रुपए का एमडीएमए पाउडर जब्त, एक गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने ऑपरेशन विष हरण के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 16.75 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जब्त किया है। इसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया गया है।

पुलिस थाना कपासन की टीम ने बीती रात शनि महाराज से कपासन आने वाले मार्ग पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोका गया, जिस पर मण्डफिया गांव निवासी आवेश मोहम्मद (23) पुत्र इकबाल मोहम्मद और एक बाल अपचारी सवार थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 16.75 ग्राम अवैध एमडीएमए मौली पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही पाउडर और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया।

आवेश मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ मनीष त्रिपाठी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विषहरण का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और वृत्ताधिकारी वृत्त कपासन हरजीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गोवर्धन सिंह, कॉन्स्टेबल कुंज बिहारी, देवीलाल, सुशील, राजेन्द्र और महेन्द्र सिंह शामिल थे।

उदयपुर में हाइवे पर दो कारों की भिड़ंत में चार जनों की मौत, छह घायल

उदयपुर के सविना थाना क्षैत्र के नैला तालाब के समीप हाइवे पर हुआ हादसा

- युवक का जन्मदिन होने से कार में साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहे थे जहां बीच रास्ते हादसा हो गया

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र नैला तालाब के समीप हाइवे पर दो कारों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए, जबकि दूसरी कार में सवार चार जने घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सवेरे शहर के नैला तालाब होते हुए हाइवे की तरफ जा रही कार की प्रतापनगर से अहमदाबाद की तरफ जा रही कार से भिड़ंत हो गई। एएसआई प्रीतमसिंह, हेड कांस्टेबल कृष्णपाल मय टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कारों से सभी घायलों पलोदड़ा हाउस निवासी अयान पुत्र अब्दुल रहमान, गुलाम पुत्र गनी मो. नीजाम, वसीम पुत्र युसुफ निवासी खैरादीवाड़ा माणक चौक, मो. कैफ पुत्र मो. निजाम निवासी मुर्शीद नगर, आबिद कुरैशी पुत्र अब्दुल नदीम कुरैशी निवासी बरकत कॉलोनी, शेर मो. पुत्र फरीयाद खान निवासी बरकत कॉलोनी तथा दूसरी कार में सवार जयवीर पुत्र राजवीर जाट निवासी राजगढ़ चूरू, महिपाल पुत्र बद्रीराम, राजबाला पत्नी महिपाल तथा राजेश पुत्र महिपाल को बाहर निकाल उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मो. आबिद, शेर मो., गुलाम, मो. अयान को मृत घोषित कर दिया तथा सभी छह घायलों को उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सवेरे मो. अयान का जन्मदिन होने से वह कार में अपने साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये तथा मामले की जांच में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत : उदयपुर शहर के प्रताप नगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के समीप ट्रेलर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायं प्रतापनगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के सामने कट पर ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में करावली गीगला निवासी वर्दीबाई (34) पत्नी खेमराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई तखतसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर रविवार को पोस्टमार्टम होगा।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने ग्राम सुरसिंहपुरा स्थित शिव मंदिर से दानपात्र व सामान चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मंदिर का सामान, घटना में प्रयुक्त हथौड़ा तथा बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि गत 5 जनवरी को अज्ञात चोर द्वारा सुरसिंहपुरा शिव मंदिर में प्रवेश कर शिवलिंग पर लगा पीतल का छत्र, घंटियां, तांबे के झाड़, कलश व अन्य पूजा सामग्री सहित दानपात्र तोड़कर करीब 15 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फुलेरा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कस्बा जोबनेर से आरोपी प्रवीण कुमार (22) पुत्र सीताराम रैगर, निवासी खटीकों का मोहल्ला, जोबनेर को गिरफ्तार किया गया है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार बीएलओ की मौत

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर-भिवाड़ी हाइवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर कट के पास रोडवेज बस की टक्कर लगने से बाइक से ड्यूटी पर मुसाखेड़ा जा रहे चुनावी कार्य में लगे बीएलओ महेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल पहले पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। महेश के दो बच्चे हैं जिनके ऊपर से अब मां के साथ पिता का साया भी उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे 39 वर्षीय महेश कुमार पुत्र हरिप्रसाद खाती अपनी बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम मूसाखेड़ा जा रहे थे। जब वे बम्बोरा घाटा हनुमान मंदिर के सामने कट के पास पहुंचे, तभी अलवर की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने बस को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सामने से महेश कुमार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महेश कुमार सड़क पर गिर पड़े और बस का टायर उनके ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को सीएचसी किशनगढ़ बास भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रोडवेज बस चालक की घोर लापरवाही के कारण हुआ है। महेश कुमार के परिवार में 12 वर्षीय बेटी पूर्वी और 6 वर्षीय बेटा रक्षित हैं। चार वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर के ऊपर से माता-पिता का साया उठ गया है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस टीम पर हमला, एईएन सहित चार कर्मचारी घायल

सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

- कठूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर
- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है

अलवर, (निसं)। अलवर के कठूमर में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। कठूमर कस्बे में शनिवार सुबह सात बजे विजिलेंस की टीम पर बिजली चोरी कर रहे परिवार ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। मारपीट में एईएन सहित चार कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां लाइनमैन बच्ची सिंह बच्चू सिंह चौधरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी आंख के पास गंभीर चोट आने से खून बहना बंद नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बिजली विभाग के कर्मचारी मोनू ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि पट्टी श्मशान घाट रास्ते पर स्थित मकान पर दो भाई हब्बू मीणा और झब्बू मीणा पास में जा रहे बिजली के पोल से बिजली चोरी कर रहे हैं। सूचना पर विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंची और बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों को गुस्सा आ गया। आरोप है कि दोनों भाई हब्बू और झब्बू मीणा ने उनके बेटों सहित करीब पांच पुरुषों और तीन महिलाओं ने एक साथ मिलकर विजिलेंस की टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी-डंडों और लात-घूसों से उनकी जमकर मारपीट कर दी। हमले में विजिलेंस एईएन प्रमोद शर्मा, कर्मचारी राजकुमार, नरोत्तम यादव और लाइनमैन बच्चू सिंह चौधरी घायल हो गए। वहीं बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

लाइनमैन बच्चू सिंह के परिजन भूपेश शर्मा ने बताया कि उनके हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और आंख के पास से लगातार खून बह रहा था, जिनको कठूमर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां इलाज जारी है।

सांवलिया सेठ के भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए निकले

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी

सांवलिया सेठ मंडफिया के भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार शनिवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, वरिष्ठ सहायक कालू लाल तेली, बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ विकास कार्यों को दें गति, कोताही बरतने पर हो सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री

राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित, लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं एवं योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई।

शर्मा ने जिला कलक्टर्स को निर्देश दिए कि आमजन की परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबित परिवादों के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजकीय विभागों और कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाबदेहिता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बरतने पर लापरवाह अधिकारियों और कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान करें, जिससे लागत में वृद्धि न हो और लक्षित को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवादियों से उनके परिवाद निस्तारण पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केन्द्र बिंदु है। अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन सचिव, संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर्स राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पर प्राप्त परिवादों का नियमित सत्यापन करें। श्री शर्मा ने मुख्य सचिव को अधिकारियों के लिए सत्यापन के प्रकरणों की सीमा तय करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान परिवादियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन के लिए धन्यवाद दिया।शर्मा ने जिला कलक्टर्स को विकास कार्यों में आवश्यक भू-

- परिवादियों से लिया फीडबैक, आमजन को मिली राहत

आवंटन पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के बाद शीघ्र निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाए। जिन स्थानों पर न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्विति की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स एवं सचिवों को प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ प्रकरणों के निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं जिला कलक्टर्स आईईसी गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अंश कुमार की इंटरैक्टिव आर्ट इंस्टॉलेशन ने साहित्य प्रेमियों का खींचा ध्यान

- 27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर बनेगा ओपन आर्ट गैलरी, सना रेज़वान की पहल
- जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में कला की 'ताक-झाँक', जयपुर आर्ट वीक का खास प्रीव्यू

जयपुर, (निसं)। गुलाबी नगरी में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में इस बार शब्दों और किताबों के साथ-साथ आर्ट भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। शहर में जल्द होने जा रहे जयपुर आर्ट वीक की ओर से कार्यक्रम के बीचों-बीच एक आर्ट इंस्टॉलेशन लगाया गया है। कलाकार अंश कुमार की कला स्थापना 'ताक-झाँक 01' साहित्य समारोह के मेहमानों के साथ इंटरैक्ट करती नजर आई। 12 5.5 3 फीट के इस आर्ट इंस्टॉलेशन को स्टेनलेस स्टील, दर्पण, एल्यूमिनियम और रंग-बिरंगे काँच से तैयार किया गया है। कृति में लगे दर्पण के टुकड़े मिलकर कैलिडोस्कोप जैसे रंग-बिरंगे और बदलते पैटर्न बनाते हैं। इसे तैयार करने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए आर्टिस्ट अंश कुमार ने कहा कि इस कृति के जरिए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि नई सोच अपनाने के लिए पुराने ढर्रों से बाहर आना जरूरी है। इस कृति को जीवंत करने के लिए किसी बड़ी कोशिश की जरूरत नहीं होती-हल्की हवा, जिज्ञासा से किया गया स्पर्श या पवनचक्की पर फूँक भर ही इसे चलाने के लिए काफी है। यह सरलता और खेल-भावना दर्शकों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। इस कला स्थापना को मनोज राम सागर और राहुल की टीम ने साकार किया है, जबकि इसका क्यूरेटोरियल लेख क्लॉडिया स्टोलेरू ने लिखा है।

जयपुर आर्ट वीक की संस्थापक एवं चेयरपर्सन सना रेज़वान की यह कोशिश है कि कला को गैलरी और बंद जगहों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया जाए और भारत सहित दुनिया भर के उभरते व स्थापित कलाकारों को एक साझा मंच मिले। 27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर एक ओपन आर्ट गैलरी के रूप में सजेगा, जहाँ विभिन्न स्थानों पर आर्ट इंस्टॉलेशन लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत : मंजू शर्मा

जयपुर (निसं)। आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत हैं। आज आवश्यकता है कि आदिवासी

- आदिवासी युवाओं को शिक्षा व तकनीक से जोड़कर सशक्त बनाये : मंजू शर्मा
- केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं में नया आत्मविश्वास पैदा किया है : मंजू शर्मा

युवाओं को शिक्षा, तकनीक और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ते हुए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए। यह विचार सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम" में व्यक्त किए।

सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम" में शिरकत की।

केंद्र सरकार के माय भारत केन्द्र, जयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों के आदिवासी युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और जीवनशैली को समझने का अवसर मिलता हैं। इससे न केवल आपसी संवाद मजबूत होता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना और भी प्रबल होती है।

मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लिए विशेष रूप से योजनाएँ तैयार की गई हैं।उन्होंने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, वनबंधु कल्याण योजना, पीएम जनजाति विकास मिशन, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे आदिवासी युवाओं को शिक्षा और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं के जीवन में नए अवसर और नया आत्मविश्वास पैदा किया है।इस अवसर पर माय भारत पश्चिम के क्षेत्रीय निदेशक कृष्ण लाल पारचा, उप निदेशक (राजस्थान) ऋतु रानी , एमिटी कुलपति प्रो. अमित जैन , जिला युवा अधिकारी पंकज यादव सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

परिवहन विभाग के बैकलॉग डेटा अपलोड में अनियमिता को लेकर कार्रवाई के खिलाफ याचिका पर मांगा जवाब

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग में साल 2013 के पूर्व के वाहनों के बैकलॉग डेटा को सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने में अनियमिता से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश देने से जुड़े मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील सैनी व दस अन्य अधिकारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि परिवहन विभाग ने एक आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर गत 20 नवंबर और 9 दिसंबर को आदेश जारी कर प्रदेशभर के परिवहन कार्यालयों में एफआईआर दर्ज कराने और विभागीय कार्रवाई आरंभ करने के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि पुराने वाहनों के पंजीकरण के नवीनीकरण, तीन अंक वाले पुराने नंबरों के संरक्षण और साल 2013 से पूर्व के वाहनों के बैकलॉग डेटा को वाहन सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने में गंभीर अनियमिता की गई, जिससे राज्य सरकार को 400 से 600 करोड रुपए तक का राजस्व नुकसान हुआ। याचिका में कहा गया कि जांच समिति ने बिना वित्तीय सलाहकार की रिपोर्ट लिए कथित नुकसान का आरोप लगाया है और ना ही वाहन वार कोई विवरण जारी किया है।

इसके अलावा जांच रिपोर्ट में इसका खुलासा भी नहीं है कि किस नियम की अवहेलना हुई और किस आधार पर आपराधिक मंशा का आरोप लगाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि साल 2013 से पूर्व सारे काम ऑफलाइन होते थे।

वहीं वाहन सॉफ्टवेयर आने के बाद पुराने रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में दर्ज करना जरूरी किया गया, जिसे बैकलॉग कहा गया। बैकलॉग डेटा अपलोड करना अवैध कार्य न होकर सरकारी आदेशों की पालना थी। इस दौरान कुछ त्रुटियां होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा जांच समिति ने साल 1989 से पूर्व जारी तीन अंकों के नंबरों को वीआईपी और हेरिटेज नंबर बताकर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि उस समय ऐसी कोई श्रेणी मौजूद नहीं थी और सभी वाहन सामान्य क्रम में पंजीकृत होते थे। इसके अलावा विभाग स्वयं समय-समय पर पुराने नंबरों के संरक्षण व ट्रांसफर पर फीस वसूलता है।

ऐसे में यह कहना कि इन नंबरों को नीलाम कर सैकड़ों करोडों रुपए की आय होती, अपने आप में काल्पनिक है। इसके अलावा याचिकाकर्ता का पक्ष जाने उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

रीट परीक्षा केंद्र के बाहर अभ्यार्थी को कार ने मारी जोरदार टक्कर

जयपुर(निसं)। गोनेर रोड से सोडाला आई रीट की परीक्षा देने आई अभ्यर्थी को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे रीट अभ्यर्थी प्रियंका घायल हो गई। राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि प्रिंयका के पिता की मौत हो चुकी है और वो घर में अकेली कमाने वाली है ।वो अपने छोटे भाई - बहनों की पढ़ाई का खर्चा चलाने के लिए गोनेर रोड पर एक बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान पर काम करती है। गौरतलब है कि हवा सड़क रोड पर स्थित यश विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में प्रिंयका रीट की परीक्षा देने आई थी।

मुझे नहीं पता कि इसका प्रमुख कारण क्या था। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक मजबूत शख्सियत हैं और कड़े फैसले लेने से कतराते नहीं हैं। – मनोज तिवारी

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, गौतम गंभीर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमन मोखाड़े

24 साल के विदर्भ के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए, मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली, जिससे न सिर्फ़ भारत में बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट फ़ैन्स में उत्साह पैदा हो गया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेकर जिम लेकर ने अपने नाम विश्व रिकॉर्ड वर्षों पहले दर्ज किया था। जो आज तक कोई भी गेंदबाज नहीं तोड़ सका है।

इंदौर एक दिवसीय मैच में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होगी बादशाहत की जंग

इंदौर, 17 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में बादशाहत की जंग देखने को मिलेगी। जहां मेहमान टीम लगभग दो दशकों के बाद भारतीय धरती पर एक दुर्लभ वनडे सीरीज जीत दर्ज करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। वहीं भारत घरेलू रिकार्ड को कायम रखते आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगा।

होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के भारत दौरे के तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत अपने शानदार घरेलू रिकॉर्ड को कायम रखते हुए आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगा। भारतीय टीम पिछले 20 सालों में घरेलू जमीं पर न्यूजीलैंड से एक भी वनडे सीरीज नहीं हारी है और इस मैदान पर उसका रिकॉर्ड 7-0 का रहा है।

भारत दूसरे वनडे में राजकोट में सात विकेट से हार के बाद इस मुकाबले में उतर रहा है, जहां केएल राहुल (112) के जुझारू नाबाद शतक और कप्तान शुभमन गिल (56) के शानदार अर्धशतक के बावजूद, उन्हें अच्छी बल्लेबाजी पिच पर 284 रन पर सात विकेट पर रोक दिया गया था। यह स्कोर अपर्याप्त साबित हुआ। न्यूजीलैंड ने 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर इसे आसानी से हासिल कर लिया। डैरिल मिशेल ने ब्लैक कैप्स के लिए शानदार नाबाद 131 रन बनाए, और विल यंग (87) के साथ मिलकर 162 रनों की निर्णायक साझेदारी की। मिशेल इस सीरीज में न्यूजीलैंड के सबसे शानदार खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 215 रन बनाए हैं, जबकि राहुल 141 रनों के साथ भारत के बल्लेबाजी चार्ट में सबसे ऊपर हैं।

भारत की गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, महत्वपूर्ण चरणों में रन देने के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा, जबकि अर्शदीप सिंह को शामिल करने से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ एक बहुत जरूरी स्विंग विकल्प मिल सकता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड पिछले मैच में अपनी अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन से उत्साहित होगा, जिसका नेतृत्व क्रिस्टियन क्लार्क ने किया, जिन्होंने बीच के ओवरों में तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए। हालांकि मेहमान टीम डेथ ओवरों में थोड़ी महंगी साबित हुई है, लेकिन उनके समग्र प्रदर्शन ने उन्हें भारत में एक दुर्लभ सीरीज जीतने का वास्तविक मौका दिया है। होलकर क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें छोटी बाउंड्री और वनडे में पहली पारी का औसत स्कोर 316 है। हालांकि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को सफलता मिली है, लेकिन हाल के मैचों से पता चलता है कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों को फायदा होता है। इस लिये यहां टॉस बहुत महत्वपूर्ण जाता है। टॉस जीतने वाली टीम के पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने की उम्मीद है।

भारत निर्णायक मैच में पसंदीदा बना हुआ है, उसे अपने घरेलू मैदान पर अच्छे प्रदर्शन और 78 प्रतिशत जीत की संभावना का समर्थन प्राप्त है, जबकि न्यूजीलैंड की जीत की संभावना 22 प्रतिशत है। जीत से मेजबान टीम 2-1 से सीरीज जीत जाएगी, जबकि न्यूजीलैंड इतिहास बदलने और एक यादगार जीत दर्ज करने की उम्मीद करेगा।

अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हराया

विंडहोक, 16 जनवरी। फैसल शिनोजादा (82), खालिद अहमदजई (73) और उजैरउल्लाह नियाजी (नाबाद 51) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 विश्वकप के छठे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हरा दिया।

267 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 49 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। अदनान लागादीन (10), जोरिच वान शल्कविक (आठ) और कप्तान मुहम्मद बुलबुलिया (17) रन बनाकर आउट हुये। जेसन रोल्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 93 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 98 रनों की पारी खेली। जेसन रोल्स छठे विकेट के रूप में आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आये। , अरमान मनैक (15), पॉल जेम्स (चार), लेथाबो फाहलामोहलाका (22), कॉर्न बोथा (25), डैनियल बोसमैन (20), जेजे बैसन (शून्य) पर आउट हुये। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 47.4 ओवरों में 238 रन ही बना सकी और 28 रनों से मुकाबला हार गई।

अफगानिस्तान के लिए अब्दुल अजीज और खतिर स्टानिकजई ने दो-दो विकेट लिये। नूरिस्तानी उमरजई, हाफिज जादरान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने आठवें ओवर में उस्मान सदात (चार) का विकेट गंवाने के बाद खालिद अहमदजई और फैसल शिनोजादा की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। 35वें ओवर में बयांडा मजोला ने खालिद अहमदजई को आउट कर पवेलियन भेज दिया। खालिद अहमदजई ने 101 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 73 रन बनाये।

अगले ही ओवर में कॉर्न बोथा ने फैसल शिनोजादा को अपना शिकार बना लिया। फैसल शिनोजादा ने 96 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए 82 रनों की पारी खेली।

श्रीलंका के विरन चामुदिथा अंडर-19 विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर करने वाले खिलाड़ी बने

विंडहोक, 17 जनवरी। आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्वकप में शनिवार को श्रीलंका के विरन चामुदिथा ने 192 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टूर्नामेंट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गये है। आज यहां चामुदिथा अंडर-19 विश्वकप 2026 के अपने पहले मैच में जापान के खिलाफ 192 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने हमवतन हसिथ बोयागोडा के 2018 टूर्नामेंट में केन्या के खिलाफ 191 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा, इससे पहले उन्हें टिमोथी मूर ने आउट किया था। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार चामुदिथा ने एक और ऐतिहासिक कारनामा किया है। उन्होंने दीमंथा महाविथान के साथ 328 रन की ओपनिंग साझेदारी की जो कि टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इस बड़ी ओपनिंग साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में जापान की अंडर-19 को जीत के लिए 388 रनों का लक्ष्य दिया।

क्वार्टरफाइनल में लक्ष्य सेन की हार, भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के लिन चुन-यी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में पिछड़ते हुए तीन गेम के मुकाबले में हार गए। इसके साथ ही शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित योनैक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। यह टूर्नामेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड सुपर 750 इवेंट है।

लक्ष्य सेन ने मुकाबले का पहला गेम जीतकर शानदार शुरुआत की, लेकिन इसके बाद तेज हवा वाले कोर्ट साइड पर तालमेल बिठाने में दिक्कत झेलनी पड़ी और वे पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में 17-21, 21-13, 21-18 से मुकाबला हार गए। मैच के बाद लक्ष्य सेन ने कहा, यह बेहद करीबी मुकाबला था। तीसरा गेम दबाव भरा था। आज परिस्थितियों के हिसाब से वह बेहतर खेले। आज हवा का असर ज्यादा था, जिसके लिए मैं तैयार नहीं था। कल इतनी हवा नहीं थी और उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार बेहतर ढंग से खुद को ढाल लिया। उन्होंने कहा, नेट के पास मैं शटल उठाने में थोड़ा डगमगा गया और फ्रंट कोर्ट में मुझसे कई गलतियां हुईं। क्वार्टर फाइनल से पहले आमने-सामने के रिकॉर्ड में लक्ष्य सेन लिन के खिलाफ 0-4 से पीछे थे और यह साफ था कि तेज़ रफ्तार बाएं हाथ के खिलाड़ी के खिलाफ उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।

पहले गेम में लक्ष्य की रणनीति लिन को नेट के पास खेलने पर मजबूर करने की थी, क्योंकि ताइपे का खिलाड़ी तेज साइड से खेल रहा था। यह रणनीति कारगर साबित हुई और मध्यांतर के बाद लक्ष्य ने तेजी से अंक बटोरते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि, कोर्ट बदलने के बाद लक्ष्य की लिफ्ट्स लंबी जाने लगीं, जिसका लिन ने भरपूर फायदा उठाया। छोटी लिफ्ट्स पर आक्रामक खेल दिखाते हुए लिन ने दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

तीसरे और अंतिम गेम में लक्ष्य ने शुरुआती चार अंक जीतकर मजबूत शुरुआत की, लेकिन इसके बाद लिन ने खेल की रफ्तार धीमी कर दी और नेट पर दबदबा बनाते हुए स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। कोर्ट बदलने के बाद लिन ने लगातार छह अंक जीतकर 18-15 की बढ़त बना ली। इसका बाद लक्ष्य सेन ने जुझारूपन दिखाते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर लिया, लेकिन इसके बाद लिन ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए मुकाबले को अपने नाम कर लिया। यह मैच कुल 1 घंटा 8 मिनट तक चला।

विद्युत निगमो की एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न

1000 मीटर रेस में पुरुषों में पवन, महिलाओं में ज्योति और 4000 मीटर रेस में आनंद प्रथम

जयपुर, 17 जनवरी। आज संपन्न हुई दौड़ प्रतियोगिता में पुरुषों की 1000 मीटर दौड़ में पवन शर्मा सहायक निदेशक जनसंपर्क राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने प्रथम स्थान, विनोद कुमार, तक्नीशियन जयपुर विद्युत वितरण निगम ने द्वितीय स्थान और अनिल कुमार, कनिष्ठ सहायक राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महिलाओं की 1000 मीटर दौड़ में ज्योति वर्मा सहायक कार्मिक अधिकारी राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने प्रथम स्थान, विनोद लांबा, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने द्वितीय स्थान और अंजली चौधरी कनिष्ठ अभियंता विद्युत उत्पादन निगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुषों की 4000 मीटर दौड़ में आनंद

सिंह, तक्नीशियन जयपुर विद्युत वितरण निगम ने प्रथम स्थान और राजेश कुमार शर्मा अधिशासी अभियंता सिविल, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने द्वितीय स्थान और महेंद्र कुमावत, कनिष्ठ लेखाकार राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वार्षिक खेलकूद के अंतर्गत एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कराने के लिए मोहम्मद नासिर, उपनिदेशक कार्मिक राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम, शिप्रा अग्रवाल कार्मिक अधिकारी और जगदीश मीणा कार्मिक अधिकारी प्रसारण निगम उपस्थित रहे। मुख्य कार्मिक अधिकारी अमिताभ गुप्ता ने बताया कि आज की एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान सभी विद्युत निगमों के महिला एवं पुरुष धावकों ने जोश के साथ हिस्सा लिया। सभी विजेता खिलाड़ियों को विद्युत भवन में गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के दौरान पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

विजेंद्र सिंह एशियन मुक्केबाजी परिषद के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय बॉक्सिंग आइकन विजेंदर सिंह को एशियन मुक्केबाजी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। विजेंदर, मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता हैं, और उनके पास एमेच्योर और पेशेवर बॉक्सिंग दोनों में खेल के उच्चतम स्तर पर लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियन बॉक्सिंग काउंसिल में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एशियन मुक्केबाजी परिषद का सदस्य नियुक्त किये जाने पर विजेंदर सिंह ने कहा, मैं एशियन बॉक्सिंग काउंसिल का सदस्य नियुक्त किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से इस भूमिका को निभाऊंगा। जिस तरह हमने बीजिंग में इतिहास रचा था, मैं एशियाई बॉक्सिंग के विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं, जिसमें भारतीय मुक्केबाजों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अलीशा विक्टर ने लगाया शतक, खिलाड़ियों में भारी जोश व उत्साह

निवाई, 17 जनवरी। वनस्थली विद्यापीठ में संचालित पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता खिलाडियों में भारी जोश व उत्साहबना हुआ है। विद्यापीठ के कोच उर्वेश शर्मा व प्रदीप शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में पाँचवें दिन शाकुंतलम मैदान में पहला मैच गोवा यूनिवर्सिटी गोवा व राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के मध्य खेला गया। गोवा यूनिवर्सिटी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। राजस्थान विश्वविद्यालय ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 147 रन बनाए । लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोवा विश्वविद्यालय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 122 रन ही बना सकी। राजस्थान विश्वविद्यालय ने यह मैच 25 रन से जीता। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में दूसरा मैच यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई व यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा के मध्य खेला गया। कोटा विश्वविद्यालय ने

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 68 रन बनाए। मुंबई यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई ने यह टारगेट 9.2 ओवर में 2 विकेट पर 70 रन बनाकर पूरा कर लिया। यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई 8 विकेट से विजयी रही। इसी प्रकार विदुला मैदान के चार नंबर ठाउंड में राजा शंकर शाह यूनिवर्सिटी छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश व द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी वडोदरा के मध्य मैच खेला गया। राजा शंकर शाह यूनिवर्सिटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 99 रन बनाए। द महाराज सयाजी राव वडोदरा यूनिवर्सिटी ने 100 रन का टारगेट 17 ओवर में ही पूरा कर विजेता रही। उन्होंने बताया कि लक्ष्मी बाई मैदान में पहला मैच लक्ष्मी बाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर यूनिवर्सिटी व देवी अहिल्या इंदौर के बीच खेला गया। ग्वालियर ने 3 विकेट खोकर 152 रनों का लक्ष्य इंदौर को दिया। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी इंदौर 58 रन बनाकर 17.4 ओवर में ही ऑल आउट हो गई। डीएवीवी इंदौर 93 रन से विजेता रही। दूसरा मैच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व सरदार पटेल यूनिवर्सिटी गुजरात के मध्य हुआ। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट खोकर 241 रन बनाए। बदले में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी गुजरात 9 विकेट पर 70 रन ही बना सकी। रानी दुर्गावती 170 रन से विजयी रही। अलीशा विक्टर ने 105 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक पूरा किया। शिवानी धुर्वे ने चार विकेट झटक कर शानदार गेंदबाजी की।

शतरंज : जयपुर के ओजस जोशी ने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

जयपुर, 17 जनवरी। पिंक सिटी के युवा शतरंज खिलाड़ी ओजस जोशी, जो कि पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के छात्र हैं, ने रांची में आयोजित -14 शतरंज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में ओजस जोशी की कप्तानी में केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, जिला एवं राज्य का नाम रोशन किया। ओजस जोशी के जयपुर आगमन पर जिला शतरंज संघ एवं पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों की खाली जगहों को भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन मांगे हैं। इन सहायक कोचों को देश भर के अलग-अलग क्षेत्रीय और नेशनल सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस या प्रशिक्षण केंद्रो पर नियुक्त किया जायेगा। उन्हें लेवल 6 - 35400-112400/- रुपये पे बैंड (9300-34800/- रुपये ग्रेड पे 4200/- रुपये) के अनुसार सैलरी और भत्ते मिलेंगे। जिन खेलों में सहायक कोचों की आवश्यकता है, वे इस प्रकार हैं:- एथलेटिक्स में (28 पद), तीरंदाजी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबॉल (12), मुक्केबाजी (19), कैनोइंग (7), साइकिलिंग (12), तलवारबाजी (11), फील्ड हॉकी (13), फुटबॉल (12), जिमनास्टिक (12), हैंडबॉल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो खो (2), रोइंग (11), सेपक टकरा (3), शूटिंग (28), तैराकी (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वॉलीबॉल (10), भारोत्तोलन (10), कुश्ती (22) और वुशू में (छह) पद। ये पदों के योग्य उम्मीदवारों को आरक्षण का लाभ मिलेगा, महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षित है। प्रत्येक पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 साल है और इस पद के लिए जरूरी योग्यता साई एनएसएनआईएस, पटियाला या किसी अन्य मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी यूनिवर्सिटी से कोचिंग में डिप्लोमा या उसके बराबर की डिग्री या ओलंपिक / पैरालंपिक्स / एशियन गेम्स / वर्ल्ड चैंपियनशिप में कोचिंग में सर्टिफिकेट कोर्स के साथ हिस्सा लेना या उस खास डिसिप्लिन में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता होना अनिवार्य है।

जिम्बाब्वे ने टी-20 विश्वकप 2026 से पहले कर्टनी वॉल्श को सलाहकार किया नियुक्त

हरारे, 17 जनवरी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने आगामी टी-20 विश्वकप से अपने सहयोगी स्टाफ के रूप में वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श को सलाहकार नियुक्त किया है। उपमहाद्वीप में खेलने का काफी अनुभव रखने वाले वॉल्श ने इस वैश्विक टूर्नामेंट से पहले टीम के साथ काम करना शुरू कर दिया है। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक चलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, जिम्बाब्वे ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और श्रीलंका के साथ है। जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहा है, क्योंकि वह 2023 में अफ्रीका क्वालिफायर के जरिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद 2024 के संस्करण में हिस्सा नहीं ले पाया था। हालांकि, इस बार उसने नामीबिया के साथ आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप अफ्रीका क्वालिफायर 2025 के जरिए क्वालीफाई किया। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह नियुक्ति वैश्विक टूर्नामेंट से पहले टीम की तकनीकी गहराई को मजबूत करने के मकसद से की गई है।

पुणे जीटी 2026 जैसी स्पर्धा भारत में साइकिलिंग की लोकप्रियता बढ़ा सकती है : सूर्या रमेश थाथू

पटियाला, 17 जनवरी। भारत के सबसे जाने-माने साइकिलिस्ट में से एक सूर्या रमेश थाथू का मानना है कि बजाज पुणे ग्रैंड टूर जैसी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग स्पर्धा की मेजबानी करने से देश में इस खेल की लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। फिलहाल पटियाला में आने वाले बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की तैयारी कर रहे सूर्या ने साइकिलिंग को ज़्यादा पहचान दिलाने के लिए भारत में हर साल इसी स्टैंडर्ड की दो से तीन हाई-क्वालिटी रेस की मेजबानी करने की जरूरत पर बल दिया।

यूपी वॉरियर्ज ने मुंबई इंडियंस को 22 रनों से हराया

नवीं मुम्बई 17 जनवरी। कप्तान मेग लानिंग (70) और फीबी लिचफील्ड (61) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यूपी वॉरियर्ज महिला टीम ने शनिवार को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 10वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 22 रनों से जीत दर्ज की। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने यूपी वॉरियर्ज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 69 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा दिये। सजीवन सजना (10), हेली मैथ्यूज (13), नेट साइवर ब्रंट (15), निकोला कैरी (छह) और कप्तान हरमनप्रीत कौर 18 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद एमेलिया केर और अमनजोत कौर ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठें विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी हुई। 19वें ओवर में शिखा पांडे ने अमनजोत कौर 24 गेंदों में 41रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मुम्बई इंडियंस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी और 22 रनों से मुकाबला हार गई। एमेलिया केर 28 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रही। जी कमालिनी ने नाबाद नौ रन बनाये। यूपी वॉरियर्ज के लिए शिखा पांडे ने दो विकेट लिये। क्रांति गौड़, सोफी एकल्सटन, दीप्ति शर्मा और क्लोई ट्राइऑन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले यूपी वॉरियर्ज ने आठ विकेट पर 187 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुंबई इंडियंस महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी फीबी लिचफील्ड ने मेग लानिंग के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में अमनजोत कौर ने फीबी लिचफील्ड को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। फीबी लिचफील्ड ने 37 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रन बनाये।अगले ही ओवर में हेली मैथ्यूज ने मेग लानिंग को अपना शिकार बना लिया। मेग लानिंग ने 45 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के लगाते हुए 70 रनों की पारी खेली। मुम्बई इंडियंस के गेंदबाजों ने आखिरी दो ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्ज को रन बनाने से रोका और विकेट भी झटके। हरलीन देओल ने 16 गेंदों में (25) और क्लोई ट्राइऑन ने 13 गेंदों में 21 रन बनाये। श्वेता सहरावत (शून्य) और सोफी एकल्सटन (एक) रन बनाकर आउट हुयी। पारी की आखिरी गेंद पर एमेलिया केर ने दीप्ति शर्मा (शून्य) को आउटकर 187 रन के स्कोर पर मुम्बई इंडियंस के लिए आठवां विकेट झटका। मुम्बई इंडियंस के लिए एमेलिया केर को तीन विकेट मिले। नेट साइवर ब्रंट को दो विकेट मिले। निकोला कैरी, हेली मैथ्यूज और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पुरुष 75 वर्ग : अशोक जिंदल और धवल पटेल अगले राउंड में

जयपुर, 17 जनवरी। 17 से 21 जनवरी तक जय क्लब जयपुर में आयोजित ओ.एन. दीक्षित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स एमटी-400 टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले खेले गए। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मेंस 75 वर्ग में अशोक जिंदल ने सुरेश बजोरिया को कड़े मुकाबले में 6-3, 6-4 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, इस वर्ग के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी धवल पटेल ने भी जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। मेंस 35 वर्ग में मिशाल जाविया ने अनिरुद्ध सिंह को 6-1, 7-5 से हराया। मेंस 40 वर्ग में शैलेन्द्र चौधरी ने जय यादव को 6-1, 6-3 से पराजित किया। रियाज अहमद ने अश्वनी कुमार को 6-3, 6-2 से हराया, जबकि अंकुर कपूर ने पंकज अहलावत के खिलाफ जीत दर्ज की। मेंस 45 वर्ग में सम्राट भसीन ने जय राम को 6-0, 6-3 से मात दी। मेंस 55 वर्ग में निशाद जयप्रकाश ने राजेंद्र सिंह सिसोदिया को 6-1, 6-2 से हराया। मेंस 60 वर्ग में लक्पा शेरपा ने श्याम शर्मा को 6-0, 6-2 से, भानु प्रताप सिंह ने शुभाष चंद्र शर्मा को 6-1, 6-0 से पराजित किया। वहीं शरद टक ने दिनेश डी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-2, 4-6, (10-6) से हराया। मेंस 65 वर्ग में पोन्नैया जयराम ने राकेश लाल को 6-1, 6-1 से हराया, जबकि गोरेन्स बोयान ने रिछपाल सिंह जाखड़ को 6-0, 6-2 से मात दी। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को पारुल पेनासोनिक की ओर से गिफ्ट हैम्पर प्रदान किए गए। टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह 18 जनवरी को जय क्लब जयपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्घाटन आयकर विभाग के प्रिंसिपल डायरेक्टर (अन्वेषण) अवधेश कुमार करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडु के अर्द्धशतक, भारत ने बनाये रन 238 रन

बुलावायो, 17 जनवरी। वैभव सूर्यवंशी (72) और अभिज्ञान कुंडु (80) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप के वर्षा प्रभावित मुकाबले में बंगलादेश के खिलाफ 238 रन बनाये। बंगलादेश ने आज यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 53 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। कप्तान आयुष म्हात्रे (छह), वेदांत त्रिवेदी (शून्य) को अल फहद ने तीसरे ओवर में आउट किया। विहान मल्होत्रा (सात) को 10वें ओवर में अजीज़ुल हकीम ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अभिज्ञान कुंडु ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 27वें ओवर में इकबाल हुसैन इमोन ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर भारत को चौथा झटका दिया। वैभव सूर्यवंशी ने 67 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 72 रनों की आतिशी पारी खेली। हरवंश पंगालिया (दो) और कनिष्क चौहान (28) रन बनाकर आउट हुये। बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय भारत ने 39 ओवर में छह विकेट पर 192 रन बना लिये है। बारिश के बाद फिर से खेल शुरु होने पर 40वें ओवर में शेख परवेज जिबोन अमब्रिश (पांच) को आउट किया। भारत का आठवां विकेट खिलन पटेल (आठ) के रूप में 45वें ओवर में गिरा। इस दौरान अभिज्ञान कुंडु एक छोर थामे रन बनाते रहे, उन्हें 47वें ओवर में अल फहद ने आउट किया।अभिज्ञान कुंडु ने 112 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 80 रनों की पारी खेली। 49वें ओवर की चौथी गेंद पर अल फहद ने दीपेश देवेंद्रन छह गेंदों में 11 रन को आउटकर भारतीय पारी को 238 के स्कोर रोक दिया। बंगलादेश के लिए अल फहद ने पांच विकेट लिये। इकबाल हुसैन इमोन और अजीज़ुल हकीम ने दो-दो विकेट लिये। शेख परवेज जिबोन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मीरा एंड्रीवा ने 'मैं स्वयं को धन्यवाद देना चाहूंगा' वाली स्वेटशर्ट पहनी

एडिलेड, 17 जनवरी। रूस की मीरा एंड्रीवा ने एडिलेड इंटरनेशनल में महिला एकल का खिताब जीतने के बाद एक स्वेटशर्ट पहनी थी जिस पर उनका सिग्नेचर विनिंग कैचफ्रेज लिखा था, ''मैं स्वयं को धन्यवाद देना चाहूंगी।'' फाइनल में शनिवार को विक्टोरिया म्बोको को हराने के बाद एंड्रीवा ने सीधे तौर पर स्वेटशर्ट के बारे में कुछ नहीं कहा। 2026 सीजन का अपना पहला खिताब जीतने के तुरंत बाद एंड्रीवा ने अपने विरोधी, टूर्नामेंट के स्टाफ, स्पॉन्सर और फिजियो को धन्यवाद देने के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि मेरी टीम का नंबर इसके बाद आता है। लेकिन मुझे सच में लगता है कि यह सब मैंने ही किया है। मुझे नहीं पता कि मैं क्या कह सकती हूं। मैंने बहुत अभ्यास किया, मैंने काम किया है, पसीना बहाया है और सच कहूं तो मुझे यह भी नहीं पता कि आप लोग यहां क्यों हैं।'' 18 साल की खिलाड़ी ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में इस कैचफ्रेज की शुरुआत के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''खैर, यह तब शुरू हुआ जब मैंने पहली बार वह वाक्य कहा था। यह तब की बात है जब मैंने रोमानिया के इयासी में अपना पहला टूर्नामेंट जीता था, 250 डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट। तब से, जब भी मैं जीतती हूं और मुझे स्पीच देने का मौका मिलता है, जब भी मुझे जीतने के बाद कोर्ट पर कुछ कहने का मौका मिलता है, तो मैं हमेशा खुद को धन्यवाद देती हूं।''

पंचायतों के मजबूत होने से प्रदेश मजबूत होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रदेश के सातों संभाग के प्रशासकों के साथ संवाद किया

जयपुर, 17 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरपंच गांव की आवाज और ग्राम पंचायत शासन की पहली सीढ़ी है। पंचायतों के सशक्त होने से ही प्रदेश मजबूत होगा, क्योंकि विकास का पथ गांवों से होकर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र-'सबका साथ, सबका विकास' को साकार करते हुए गांवों का सशक्तीकरण कर रही है।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के सातों संभागों की ग्राम पंचायतों के प्रशासकों (निवर्तमान सरपंचों) के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंच कोई पद नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प का माध्यम है। सरपंच वह पहला व्यक्ति होता है, जिसके पास गांव का हर नागरिक उम्मीद लेकर आता है। किसान सम्मान निधि, पेंशन, एमएसपी, पेयजल, बिजली, आवास, शौचालय निर्माण, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य केन्द्र जैसी जरूरतों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए गांव सर्वप्रथम सरपंच की ओर ही देखता है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों और योजनाओं का लाभ किस स्तर तक पहुंच रहा है, यह सरपंच ही बेहतर तरीके से जानता है। इस स्थिति में उनका फीडबैक बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सातों संभागों की ग्राम पंचायतों के निवर्तमान सरपंचों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेशाध्यक्ष बंशीधर गढ़ वाल उपस्थित थे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी व जवाबदेह पंचायतीराज व्यवस्था स्थापित करने के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह पंचायतीराज व्यवस्था स्थापित करने के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत कर रहे हैं। ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण और नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत पर अटल ज्ञान केन्द्र की स्थापना भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने नवगठित 8 जिलों में नई जिला परिषदों का गठन किया है। इसी प्रकार पंचायतीराज संस्थाओं के पुनर्गठन एवं नवसृजन के तहत, 85 नई पंचायत समितियां एवं 3 हजार 417 नई ग्राम पंचायतें बनायी गयी हैं। हमने ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने पर भी प्रशासक के तौर पर सरपंचों को नियुक्त किया, ताकि आपके अनुभव का ज्यादा से ज्यादा लाभ हमारे गांवों को मिल सके। शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने पूर्व में संचालित मनरेगा योजना में सुधार करते हुए विकसित भारत गांरटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) लागू कर ग्रामीण विकास का नया रोडमैप तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने निवर्तमान सरपंचों से अपील कि वे केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं और अंतिम पंक्ति तक इनका लाभ मिलना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रशासकों ने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों एवं आगामी बजट के संबंध में अपने सुझाव दिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें महत्वपूर्ण सुझावों पर नियमानुसार उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेशाध्यक्ष बंशीधर गढ़ वाल सहित, बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों के प्रशासक (निवर्तमान सरपंच) उपस्थित थे।

शिंदे सेना को ठाणे में अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में मिले दबदबे के चलते, सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि शिंदे, भाजपा की सीटों के लगभग एक-तिहाई पर रहने के बावजूद, अपनी पार्टी से मेयर बनाए जाने पर जोर दे सकते हैं।

शिंदे गुट के प्रवक्ताओं और अन्य नेताओं ने, बीएमसी में अविभाजित सेना के लम्बे शासन का हवाला देते हुए, यह भी संकेत दिया है कि "मुंबई का मेयर शिवसेना (शिंदे गुट) से होना चाहिए, क्योंकि यह बालासाहेब (बाल ठाकरे) की विरासत है।"

नतीजे काफी हद तक स्पष्ट होने के बाद शिंदे का रुख अपेक्षाकृत सतर्क दिखा। शिंदे 2024 में भाजपा की 132 सीटों के मुकाबले 57 विधानसभा सीटें जीतने के बावजूद मुख्यमंत्री पद हासिल नहीं कर पाए थे।

उन्होंने मेयर को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, "हमारा एजेंडा विकास है। हमने महायुति (ग्रैंड अलायंस) के रूप में चुनाव लड़ा है और मुंबई के हित में क्या सबसे अच्छा है, यह तय करने के लिए हम साथ बैठेंगे।"

इस गोल-मोल जवाब ने कुछ राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि क्या कोई बीच का रास्ता निकल सकता है, जिसमें शिंदे अपनी पार्टी के किसी नेता को ढाई वर्ष के लिए मेयर बनवाएं और शेष आधा कार्यकाल भाजपा को मिले।

■ शिंदे, इस बार पर वो ही गलती भी नहीं दोहराना चाहते, जो 2024 में विधानसभा चुनाव के बाद की थी। तब, सेना ने 57 सीटें जीती थी तथा भाजपा ने 132, पर, शिंदे ने मु.मंत्री पद के लिए दावेदारी पुरजोर ढंग से पेश की थी, अपने, वोटों को निर्णायक मानकर। पर, शिंदे का यह प्रयास बुरी तरह विफल हुआ था और उन्हें काफी राजनीतिक हानि हुई थी। इस बार, बीएमसी के चुनाव में शिंदे सार्वजनिक रूप से गंभीर सी छवि बनाए हुए हैं और कह रहे हैं "हमने (भाजपा व शिंदे ग्रुप) ने महायुति के गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ा है। अतः, हम बैठकर निर्णय लेंगे, जो मुंबई के हित में होगा।"

विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा के पक्ष में एक बात यह हो सकती है कि शिंदे सेना ने अपने पार्टी प्रमुख के गढ़ ठाणे में शानदार प्रदर्शन किया है। 131 सदस्यीय ठाणे नगर निगम में पार्टी 70 से अधिक सीटों के साथ 66 के बहुमत आंकड़े से काफी ऊपर है और वहाँ वह मेयर चुन सकती है, जबकि भाजपा के पास वहां सिर्फ 28 सदस्य हैं।

मुंबई का उपनगर होने के नाते ठाणे का अपना महत्व है। इससे शिंदे बीएमसी में प्रमुख समितियों, खासतौर पर बेहद अहम स्थायी समिति, की कमान अपनी पार्टी को दिलाने पर संतोष कर सकते हैं। एक विश्लेषक ने कहा, "किसी भी स्थिति में, यदि शिंदे आसानी से मेयर पद भाजपा को सौंपने के लिए राजी हो जाते है, तो इससे उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है। इसलिए, कम से कम उप-महापौर पद, स्थायी समिति के अध्यक्ष पद और महत्वपूर्ण वार्डों को लेकर पर्दे के पीछे तीखी बातचीत होना लगभग तय है।"

26 जनवरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बांग्लादेश स्थित आतंकी समूह दिल्ली सहित, देश के प्रमुख शहरों को को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इंटेलिजेंस अलर्ट के अनुसार, पंजाब के गैंगस्टर विदेश से काम कर रहे खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलर्स के लिए फुट सोल्जर के तौर पर काम कर रहे हैं। आरोप है कि ये हैंडलर्स अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने और देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने के लिए आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया है कि ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकवादी तत्वों से संबंध बना रहे हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड से पहले, उत्तरी जिला पुलिस ने विभिन्न हितधारकों और एजेंसियों की तैयारी और प्रतिक्रिया समय की जांच करने के लिए संवेदनशील और भीड़भाड़ वाली जगहों पर मॉक ड्रिल की एक श्रृंखला आयोजित की।

बांग्लादेश में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का मालिक था। यह दुकान नगरपालिका इलाके के पास बरनगर रोड पर स्थित है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 11 बजे मसूम मिया (28) दुकान में आया। किसी मामूली बात को लेकर उसका दुकान में काम करने वाले 17 साल के कर्मचारी अनंत दास से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। कुछ देर बाद मसूम मिया के माता-पिता, मोहम्मद स्वपन मिया (55) और मजीदा खातून (45) मौके पर पहुंचे और झगड़े में शामिल हो गए। जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष ने बीच-बचाव कर अपने कर्मचारी को बचाने की कोशिश की, तो हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़े से वार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, चोट इतनी गंभीर थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बांग्लादेश में बीते एक महीने में अब तक 9 हिंदुओं की हत्याएं हो चुकी हैं।

'प.बंगाल में मुम्बई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने बंगाली में कहा, इस तृणमूल सरकार को बदलने की ज़रूरत है।

प्रधानमंत्री ने मालदा की रैली में कहा कि निर्दयी और क्रूर तृणमूल सरकार जनता के पैसे की लूट कर रही है और केंद्र की सहायता को बंगाल के लोगों तक पहुंचने से रोक रही है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल की हार और भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही बंगाल में विकास होगा।

आईसीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाड़ियों को आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

यह तथ्य कि भारतीय नागरिकता वाले एक आईसीसी अधिकारी समय पर बांग्लादेश की यात्रा के लिए वीज़ा हासिल नहीं कर सके, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को दर्शाता है। आईसीसी ने वीज़ा मुद्दे पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, हालांकि कुछ निराशा तो है।

टी 20 वर्ल्ड कप शुरू होने में अब तीन सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में बांग्लादेश और आईसीसी दोनों के लिए इस गतिरोध को खत्म कर किसी समाधान तक पहुंचने की घड़ी तेज़ी से टिक-टिक कर रही है।

ईरान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकतांत्रिक ईरान साझा मूल्यों के आधार पर साझेदारियां बनाने के लिए प्रतिबद्ध होगा। उन्होंने कहा, "जैसा कि मैंने कहा, यह स्वाभाविक ही है कि एक लोकतांत्रिक ईरान संप्रभुता और स्वतंत्रता के संदर्भ में उन देशों के साथ सर्वोत्तम संभव संबंध चाहता है, जो समान मूल्यों का पालन करते हों और विभिन्न क्षेत्रों में हमारे साथ काम कर सकें और साझेदारी कर सकें।"उन्होंने तर्क दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए गहरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है और इस संदर्भ में भारत एक महत्वपूर्ण भागीदार सिद्ध होगा। उन्होंने कहा, "हमारे सामने कई वैश्विक चुनौतियां हैं, ऊर्जा के मुद्दे हैं, जनसंख्या के मुद्दे हैं, ऊर्जा की कमी है और जल संकट भी है।" पहलवी ने भारत की तकनीकी क्षमताओं की भी सराहना की और कहा, प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के मामले में भारत अग्रणी देशों में से एक है। मेरा मानना है कि यही वे चीजें हैं, जो हमें हर उस दिशा में मदद करेंगी, जिस पर हमें ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।"

ममता बनर्जी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच में हस्तक्षेप के ठोस आरोपों से घिरी ममता बनर्जी ध्यान भटकाने और न्याय से बचने का हर संभव प्रयास कर रही हैं। उनके निर्देश पर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ईडी की जांच पर रोक लगाने और ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया और ममता बनर्जी तथा पश्चिम बंगाल पुलिस दोनों को 3 फरवरी तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने उस घेराव और हंगामे की भी कड़ी आलोचना की, जो कलकत्ता उच्च न्यायालय में हुआ था, जहां ईडी ने मुख्यमंत्री और उनके साथ मौजूद स्थानीय पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने ईडी की जांच में हस्तक्षेप किया, उनका काम रुकवाया और मामले से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण सामग्री जांच स्थल से उठा ली थी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय में ईडी की याचिका पर सुनवाई तक नहीं हो सकी, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने अदालत कक्ष को घेर लिया था और ईडी के वकीलों को अंदर तक पहुंचने नहीं दिया। नतीजतन, उच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं ने अदालत कक्ष को एक सार्वजनिक स्थल में बदल दिया था, मानो वह दिल्ली का जंतर-मंतर हो।

अब यह देखना बाकी है कि क्या ममता बनर्जी इस बार भी इस सबसे गंभीर किस्म के दुराचार से बिना दंड के बच निकलने में सफल होती हैं या नहीं। यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि केन्द्र सरकार उनके आचरण को लेकर उन्हें जिम्मेदार ठहराने के लिए कितनी गंभीरता से कदम उठाती है।

इंडिगो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने अपनी कार्रवाई के लिए सिर्फ इन्हीं तीन दिनों को आधार बनाया है। जांच समिति ने 26 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908